■ वैशाख शुक्ल - 3 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 270 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 30-04-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

SKY TOWERS
2 KM FROM KILPAUK

73582 00333

Akshaya Tritiya Special

FULLY FURNISHED HOMES
with Branded Electronics

3 BHK ₹1.65Cr +GST | Expected Rent ₹70K*/month

2 BHK ₹1.20Cr +GST | Expected Rent ₹40K*/month

NOW OR NEVER

Pick any floor, any facing - no extra charges. This all inclusive price includes high grade furniture, branded fittings & electronics, covered car park and club membership. Offer ends tonight!

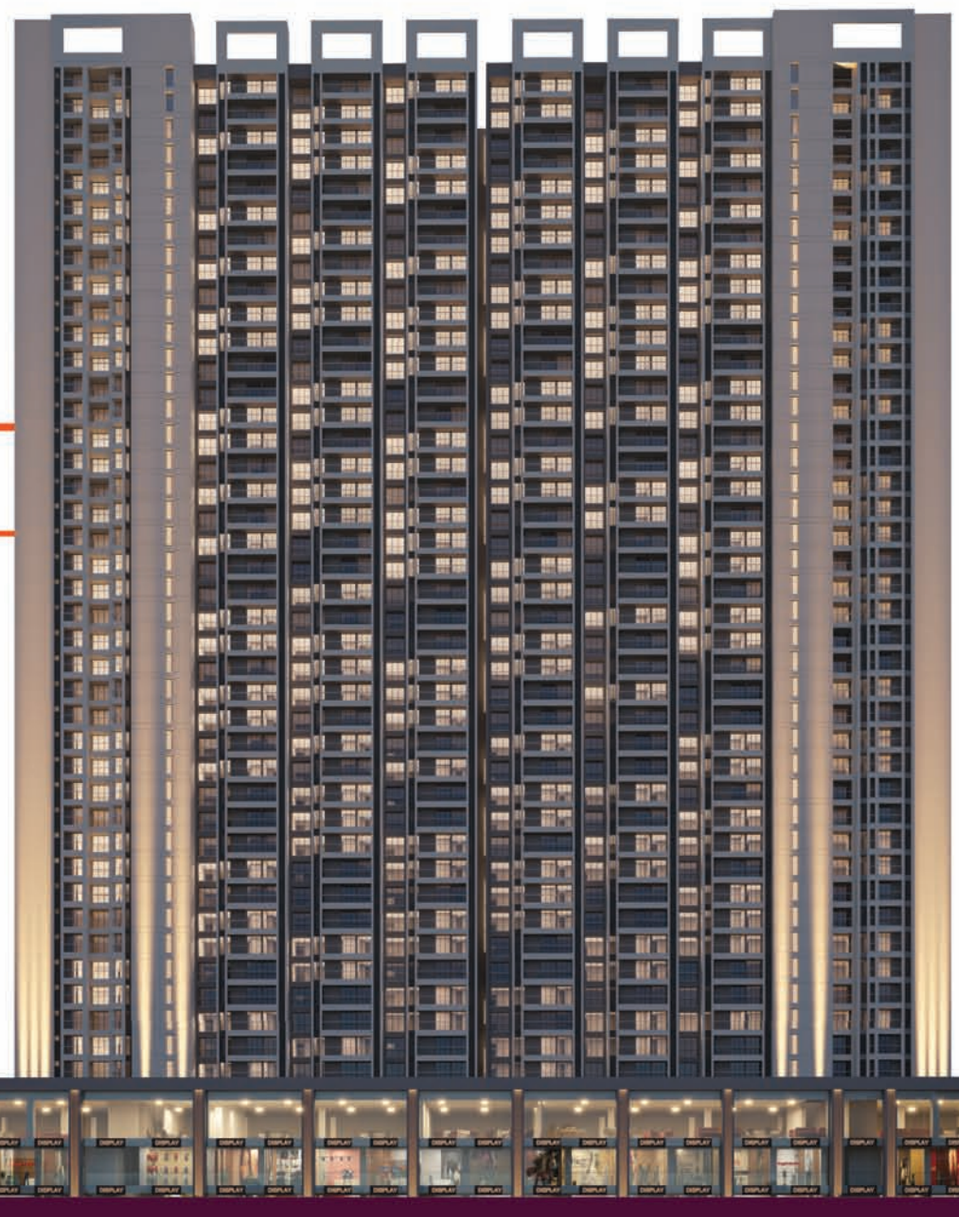

RUSH TODAY! BOOKING HOURS UPTO MIDNIGHT

INCLUDES

Sofa | 2/3 Double Beds | Wardrobes | Bath Fittings | Flooring | Dining Table | Modular Kitchen | Branded Electronics - 3/4 ACs | TV | Washing Machine | Microwave Oven | Refrigerator

ALSO
SHOPS: ₹50 LAKHS ONWARDS*
OFFICES: ₹70 LAKHS ONWARDS*

SPR CITY A PROJECT WITH BINNY LTD | SPR HIGHLIVING DISTRICT | MARKET OF INDIA INDIA'S GLOBAL MARKET | THE MALL OF MADRAS | INDIA TRADE CENTRE

www.rera.tn.gov.in | TN/29/BUILDING/0223/2021| TN/29/BUILDING/0390/2024
TN/29/BUILDING/0396/2024 | TN/29/BUILDING/0416/2024 | *T&C Apply.
Images are artist's impressions

सही रणनीतियों के बल पर आगे बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था: वित्त मंत्रालय रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था सही रणनीतियों, लगातार घरेलू सुधारों और बुनियादी ढांचे के विकास तथा रोजगार सृजन पर पुरजोर ध्यान देकर आगे बढ़ेगी।

वित्त मंत्रालय की एक रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। आर्थिक मामलों के विभाग की मासिक आर्थिक समीक्षा के मार्च संस्करण में कहा गया कि भारत की दीर्घकालिक वृद्धि वृहद आर्थिक स्थिरता, लचीला बाहरी क्षेत्र, राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण, कम होती मुद्रास्फीति, बेहतर रोजगार संभावनाओं और उच्च उपभोग व्यय से प्रेरित है।

इसमें कहा गया कि इस स्थिरता की कुंजी निजी पूंजी निर्माण के पास है और नियामक उपाय निजी क्षेत्र को अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं भारत के लिए चुनौतियां पेश कर रही हैं, लेकिन साथ ही इस वजह से तुलनात्मक बढ़त का लाभ उठाकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विनिर्माण में अपनी स्थिति को मजबूत करने का मौका भी है।

रिपोर्ट में कहा गया कि भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर लगातार ध्यान केंद्रित करने के साथ, भारत इन जोखिमों को कम कर सकता है। देश रणनीतिक व्यापार वार्ता, घरेलू सुधारों और विनिर्माण निवेशों में उभरते अवसरों का लाभ उठा सकता है।

मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक घटनाक्रमों से पैदा हुई अनिश्चितताएं वित्त वर्ष 2025-26 में वृद्धि के लिहाज से एक प्रमुख जोखिम हैं।

निजी क्षेत्र और नीति निर्माताओं को इस जोखिम के प्रति सचेत रहना चाहिए और अनिश्चितता को खुद पर हावी होने से रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

कांग्रेस ने अंबेडकर को ''दलित'' माना, भाजपा उन्हें ''ललित'' मानती है : वसुंधरा राजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। कांग्रेस पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की विरासत की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे ने मंगलवार को कहा कि देश के सबसे पुराने दल ने संविधान निर्माता को ''दलित'' मानकर उनके नाम का बार-बार इस्तेमाल तो किया, लेकिन उनका सम्मान नहीं किया।

वसुंधरा ने भाजपा के ''डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान'' के तहत इंदौर में आयोजित संगोष्ठी में कहा,''यह बात सही है कि कांग्रेस ने अंबेडकर की उपेक्षा की। अंबेडकर जैसा महान व्यक्तित्व कांग्रेस नेताओं के बीच था, परंतु वे सोचते थे कि जवाहरलाल नेहरू जैसे बड़े-बड़े लोग ही महान हैं। अंबेडकर का बड़प्पन दूसरे देशों ने समझ लिया, लेकिन कांग्रेस नेताओं ने इसे नहीं समझा।''

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अंबेडकर का नाम बार-बार इस्तेमाल किया, लेकिन यह पार्टी संविधान निर्माता का सम्मान करने में पीछे रही।

वसुंधरा ने कहा,''कांग्रेस ने अंबेडकर को दलित माना, जबकि भाजपा ने उन्हें ललित माना। ललित शब्द का मतलब होता है-सुंदर।''

भाजपा उपाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि आज भी चुनावों के

दौरान कांग्रेस मानकर चलती है कि दलित समुदाय के लोगों के वोट उसकी जेब में है। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा,''अंबेडकर ने अपने जीवनकाल में लोगों को समझाया था कि कोई भी व्यक्ति किसी की जेब में नहीं है।

वसुंधरा ने कहा कि अंबेडकर केवल दलितों के नहीं, बल्कि सभी समुदायों के नेता थे। उन्होंने कहा कि अंबेडकर ने सभी समुदायों के लोगों को शिक्षा, समानता और मानवता का संदेश दिया।

वसुंधरा ने कहा कि अपनी भारी उपेक्षा से आहत अंबेडकर ने 1951 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू के मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था क्योंकि वह ऐसे मंत्रिमंडल में कतई नहीं रहना चाहते थे जहां समाज के हर वर्ग की आवाज नहीं पहुंच सके।

भाजपा उपाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अंबेडकर को उनके जीवनकाल में अलग-अलग चुनाव हराने की कोशिश की। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि कांग्रेस सरकार ने नई दिल्ली में छह दिसंबर 1956 को अंबेडकर के निधन के बाद उनके परिजनों को उनका दाह संस्कार राष्ट्रीय राजधानी के बजाय मुंबई में करने को मजबूर कर दिया था।

वसुंधरा ने कहा कि नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने नई दिल्ली के उस सरकारी आवास को राष्ट्रीय स्मारक में बदल दिया जहां अंबेडकर ने आखिरी सांस ली थी। उन्होंने अंबेडकर की विरासत सहेजने को लेकर मोदी सरकार के अलग-अलग काम गिनाते हुए कहा कि भाजपा अंबेडकर को अपना आदर्श मानती है।

वसुंधरा ने लक्ष्य हासिल करने के लिए अंबेडकर के सतत संघर्ष, संयम और परिश्रम की मिसाल देते हुए कहा,''राजनीति में लोग कहते हैं कि उन्हें कोई पद दे दिया जाए या उनके नाम की सिफारिश कर दी जाए। मैं ऐसे लोगों से कहती हूं कि वे अपना काम करते रहें और अगर वे अच्छा काम करेंगे तो उनका भी समय आएगा।'' संगोष्ठी में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी शामिल हुए।

भारतीयों से शादी करने वाले पाकिस्तानियों को वापस भेजने के फैसले पर पुनर्विचार करें: मुफ्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को सरकार से उन पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने के फैसले पर पुनर्विचार करने की गुजारिश की, जिन्होंने भारतीयों से शादी की है और कई वर्षों से यहां रह रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। मुफ्ती ने 'एक्स' पर कहा, हाल ही में भारत से सभी पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने के सरकारी निर्देश ने गंभीर मानवीय चिंताएं पैदा की हैं, खास तौर पर जम्मू कश्मीर में। इससे प्रभावित होने वाली कई महिलाएं हैं, जो 30-40 साल पहले भारत आई थीं, भारतीय नागरिकों से शादी की, परिवार बसाया और लंबे समय से हमारे समाज का हिस्सा रही हैं। उन्होंने कहा कि दशकों से भारत में शांतिपूर्वक रह रहे लोगों को निर्वासित करना अमानवीय होगा और इससे उनके परिवारों पर गहरा भावनात्मक संकट आएगा।

मुफ्ती ने कहा, हम सरकार से इस निर्णय पर पुनर्विचार करने तथा महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह करते हैं। पूर्व आतंकवादियों से विवाहित कई पाकिस्तानी महिलाएं 2013 में तत्कालीन मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की नीति के तहत कश्मीर आ गईं। इस नीति के तहत उन आतंकवादियों का पुनर्वास संभव हुआ, जो हथियार प्रशिक्षण के लिए पाकिस्तान या पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर गए थे, लेकिन हिंसा का त्याग कर घाटी में वापस लौटना चाहते थे।

आईफोन बनाने वाली फॉक्सकॉन का भारत में राजस्व 20 अरब डॉलर के पार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ताइवान की दिग्गज इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माता फॉक्सकॉन का भारत में राजस्व आईफोन उत्पादन में उछाल के कारण वित्त वर्ष 2024-25 में दोगुना से अधिक बढ़कर 20 अरब डॉलर (लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपए) हो गया। इस मामले से परिचित सूत्रों ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में फॉक्सकॉन के कर्मचारियों की कुल संख्या भी 65 प्रतिशत बढ़कर लगभग 80,000 हो गई।

एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा से कहा, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में फॉक्सकॉन का राजस्व दोगुना से अधिक होकर 20 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। इसके कर्मचारियों की संख्या भी 80,000 से अधिक हो गई है। हालांकि इसकी पुष्टि के लिए फॉक्सकॉन को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला। फॉक्सकॉन दिग्गज अमेरिकी कंपनी एप्पल के लोकप्रिय उत्पाद आईफोन का विनिर्माण करने के लिए जानी जाती है। एप्पल ने भारत में आईफोन का उत्पादन बढ़ाने की घोषणा कर इसे और भी तेजी देने के संकेत दिए हैं।

भारत में विनिर्मित स्मार्टफोन का निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 में दो लाख करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर को पार कर गया जिसमें अकेले आईफोन की हिस्सेदारी 1.5 लाख करोड़ रुपए की है।

सूत्रों ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में फॉक्सकॉन का राजस्व कई गुना बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि एप्पल कथित तौर पर अमेरिकी बाजार में बिक्री के लिए सभी आईफोन का विनिर्माण भारत में ही करने पर विचार कर रही है।

फॉक्सकॉन 2.8 अरब डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपए) के निवेश के साथ बेंगलूरु के पास देवनहल्ली में चीन के बाहर अपनी दूसरी सबसे बड़ी इकाई स्थापित करने की प्रक्रिया में है। इस संयंत्र से 40,000 से अधिक रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

इसके अलावा फॉक्सकॉन उत्तर प्रदेश में एक इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए राज्य सरकार के साथ भी चर्चा कर रही है।

विधानसभा के हिस्सों को खाली कराने के लिए मुख्य सचिव हस्तक्षेप करें: विजेंद्र गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विधानसभा ने अपने परिसर में विभिन्न विभागों के कब्जे वाले हिस्सों को खाली कराकर वहां एक संग्रहालय, एक सभागार और एक प्रदर्शनी गैलरी स्थापित करने के लिए मुख्य सचिव से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है।

विधानसभा सचिवालय विधानसभा परिसर को राष्ट्रीय महत्व के प्रमुख विरासत स्थल के रूप में विकसित कर रहा है। मुख्य सचिव धर्मेंद्र को हाल ही में लिखे पत्र में विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि विधानसभा परिसर का एक बड़ा हिस्सा दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय, दिल्ली फार्मेसी काउंसिल और भारत सरकार के प्रकाशन विभाग के कब्जे में है।

गुप्ता ने कहा कि इस हिस्से को प्राथमिकता के आधार पर खाली किया जाना चाहिए ताकि वहां एक संग्रहालय, एक प्रदर्शनी गैलरी, एक सभागार और आगंतुकों के लिए सुविधाओं का निर्माण किया जा सके।

अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा सचिवालय द्वारा संबंधित विभागों को किए गए पत्राचार का कोई नतीजा नहीं निकला।

गुप्ता ने पत्र में कहा, मैं इस मामले में आपसे हस्तक्षेप करने का अनुरोध करता हूं ताकि संबंधित विभागों को विधानसभा परिसर में उनके कब्जा वाले स्थानों को जल्द से जल्द खाली करने का निर्देश दिया जा सके, क्योंकि स्थान की आवश्यकता तुरंत है।

कश्मीर के पूर्व आतंकियों की पाकिस्तानी पत्नियों और बच्चों के निर्वासन की प्रक्रिया शुरू

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर में अधिकारियों ने मंगलवार को 60 पाकिस्तानियों को वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिनमें से एक आतंकी हमले में मारे गए पुलिसकर्मी की मां भी हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन सभी को विभिन्न जिलों से इकट्ठा करके बसों में पंजाब ले जाया गया, जहां उन्हें वाघा सीमा पर पाकिस्तानी अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा। निर्वासित किए जा रहे लोगों में अधिकतर पूर्व आतंकवादियों की पत्नियां और बच्चे हैं, जो पूर्व आतंकवादियों के लिए 2010 की पुनर्वास नीति के तहत घाटी में लौटे थे। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से 36 पाकिस्तानी श्रीनगर में, नौ-नौ बारामूला और कुपवाड़ा में, चार बडगाम में और दो शोपियां जिले में रह रहे थे।

आतंकवादियों से लड़ते हुए मई 2022 में मारे गए विशेष पुलिस अधिकारी मुदासिर अहमद शेख की मां शमीमा अख्तर भी निर्वासित किए जा रहे लोगों में शामिल हैं। मुदासिर जम्मू कश्मीर पुलिस की एक टीम का हिस्सा थे, जिसने विदेशी आतंकवादियों के एक समूह को रोका था।

पहलगाम हमला: कांग्रेस ने की संसद के विशेष सत्र बुलाने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पैदा हुए हालत के मद्देनजर संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र जल्द से जल्द बुलाया जाए ताकि आतंकवाद के खिलाफ देश के सामूहिक संकल्प और इच्छाशक्ति को व्यक्त किया जा सके।

मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि 1994 में संसद से पारित उस संकल्प को फिर से दोहराने का समय आ गया है जिसमें जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न हिस्सा बताने के साथ ही पाकिस्तान से उसके कब्जे वाले कश्मीर को खाली करने के लिए कहा गया था। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार रात प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर यह आग्रह किया। पत्र में खरगे ने कहा, ''इस समय, जब एकता और एकजुटता जरूरी है, विपक्ष का मानना है कि जल्द से जल्द संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र बुलाया जाए। यह 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुए क्रूर आतंकवादी हमले से निपटने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प और इच्छाशक्ति की एक दृढ़ अभिव्यक्ति होगी।'' उन्होंने कहा, ''हमें आशा है कि सत्र बुलाया जाएगा।'' राहुल गांधी ने पत्र 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण समय में भारत को यह दिखाना होगा कि ''हम आतंकवाद के खिलाफ हमेशा एक साथ खड़े हैं।'' उन्होंने कहा, ''पहलगाम में हुए आतंकी हमले से हर भारतीय आक्रोशित है। इस महत्वपूर्ण समय में भारत को यह दिखाना होगा कि हम आतंकवाद के खिलाफ हमेशा एक साथ खड़े रहेंगे। विपक्ष का मानना है कि संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए, जहां जनता के प्रतिनिधि एकता और दृढ़ संकल्प दिखा सकें।''

हरियाणा में मां-बेटी से सामूहिक बलात्कार के बाद बेटी की हत्या, किशोर समेत चार पकड़े गये

जींद/भाषा। हरियाणा के जींद में कूड़ा बीनने वाली एक महिला को उसकी झुग्गी से घसीटकर कूड़े के ढेर में ले जाया गया और उसके साथ कथित रूप से सामूहिक बलात्कार किया गया तथा उसकी पांच साल की बेटी के साथ भी दुष्कर्म किया गया एवं उसकी हत्या कर दी गई। इस मामले में पांच दिन बाद 26 अप्रैल को पुलिस ने एक किशोर समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह वीभत्स घटना 21 अप्रैल की रात में हुई थी। तीन दिन बाद 35 वर्षीय इस महिला की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई। महिला सदमे में थी और दो-तीन दिन बाद वह हिम्मत जुटा सकी। इस महिला का पड़ोसी से झगड़ा हुआ था, जिसके बाद उसे घसीटकर कूड़े के ढेर में ले जाया गया और उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। जब महिला के साथ वारदात हुई तब उसका पति घर पर नहीं था। अधिकारी के अनुसार, महिला की बेटी अपनी मां को ढूंढती रोती-चिल्लाती जब कूड़े के ढेर पर पहुंची तब आरोपियों ने उसके साथ भी बलात्कार किया एवं गला घोंटकर उसे मार डाला।

ईडी ने गोवा में जमीन हथियाने से जुडे पीएमएलए मामले में और 193 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने गोवा में ''जमीन हड़पने'' के एक मामले में धनशोधन जांच के तहत 193 करोड़ रुपए की नई संपत्ति कुर्क की है। इस मामले में धोखेबाजों ने मृत व्यक्तियों के नाम पर ''जाली'' दस्तावेज बनाकर महंगे भूखंड बेचे थे।

प्रवर्तन निदेशालय ने एक बयान में कहा कि धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कलंगुट, अस्सागाओ, अंजुना, नेरुल और पारा क्षेत्रों समेत बारदेज़ तालुका में 24 अचल संपत्तियों को कुर्क करने का अंतरिम आदेश 25 अप्रैल को जारी किया गया। बारदेज तालुका में इन संपत्तियों और मुख्य पर्यटन स्थलों पर अन्य संपत्तियों को 'जाली' विक्रय विलेखों के जरिए या तो तीसरे पक्ष को बेच दिया गया या सहयोगियों के नाम कर दी गयी। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि कुर्क की गयी संपत्तियों का बाजार मूल्य 193.49 करोड़ रुपए है। धन शोधन का यह मामला गोवा पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा तटीय राज्य में धोखाधड़ी और अवैध तरीके से भूमि अधिग्रहण के संबंध में दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है। एसआईटी ने जालसाजी, धोखाधड़ी से अचल संपत्तियां हड़पने को लेकर कुछ लोगों के खिलाफ 'धोखाधड़ी' और 'अवैध' तरीके से जमीन खरीद की प्राथमिकी दर्ज की थी। जांच में पाया कि धोखेबाजों ने मृत व्यक्तियों या पूर्वजों के नाम पर 'जाली' दस्तावेज/बिक्री विलेख बनाए। ईडी का कहना है कि इन जाली दस्तावेजों को असली के रूप में पेश करते हुए उन्होंने धोखाधड़ी से अपने नाम या अपने सहयोगियों के नाम गोवा सरकार के भूमि रिकॉर्ड में डाल दिए।

महाराष्ट्र सरकार ने नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति को मंजूरी दी

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति को मंजूरी दे दी। इसके तहत यात्री इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) को सब्सिडी दी जाएगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कुछ ईवी को टोल से भी छूट दी जाएगी। फडणवीस ने राज्य मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कहा, ''राज्य सरकार ने नई ईवी नीति को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत यात्री इलेक्ट्रिक वाहन को सब्सिडी दी जाएगी। इलेक्ट्रिक वाहन के विनिर्माण और उपयोग में वृद्धि होनी चाहिए।''

अमेरिकी अभियोग मामले की स्वतंत्र समीक्षा में कोई अनियमितता नहीं मिली: अदाणी ग्रीन एनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी ग्रीन एनर्जी ने कहा है कि अदाणी समूह के संस्थापक चेयरमैन गौतम अदाणी एवं दो अन्य कंपनी अधिकारियों पर अमेरिकी अदालत में अभियोग लगाए जाने के मामले में नियामकीय अनुपालन की एक स्वतंत्र समीक्षा में कोई भी अनियमितता या गैर-अनुपालन नहीं पाया गया है।

पिछले साल नवंबर में अमेरिकी अधिकारियों ने अदाणी, उनके भतीजे एवं कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी और प्रबंध निदेशक विनीत एस जैन पर सौर ऊर्जा अनुबंध पाने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने की कथित योजना में शामिल होने का आरोप लगाया था। इसके अलावा इन पर अमेरिकी निवेशकों से धन जुटाने की कोशिश करते समय अपनी योजना को छुपाने का आरोप भी लगा था। अदाणी समूह की कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी पर आरोप है कि सौर ऊर्जा बिक्री अनुबंधों को हासिल करने के लिए भारतीय

अधिकारियों को कथित रूप से 26.5 करोड़ डॉलर की रिश्वत दी गई थी। इस अनुबंध से कंपनी को 20 वर्ष की अवधि में दो अरब डॉलर का लाभ होने का अनुमान था।

अदाणी समूह ने पहले सभी आरोपों को निराधार बताते हुए इनकार किया था और कहा था कि वह अपना बचाव करने के लिए कानूनी विकल्प अपनाएगा। आरोपों के घेरे में आई कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के वित्तीय नतीजों की घोषणा में कहा है कि उसकी मूल कंपनी को अभियोग एवं दीवानी शिकायत में प्रतिवादी के रूप में नामित नहीं किया गया है और मामला आगे की कार्यवाही के लिए लंबित है। अदाणी ग्रीन एनर्जी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, परिचालन के बेहतर मानदंडों को बनाए रखने के लिए मूल कंपनी ने इस मामले में संबंधित गैर-अनुपालन, यदि कोई हो, के आकलन और मूल्यांकन के लिए स्वतंत्र विधि फर्मों को स्वतंत्र समीक्षा करने के लिए नियुक्त किया था। कंपनी ने कहा, इस तरह की स्वतंत्र समीक्षा ने भी मामले में किसी भी गैर-अनुपालन या अनियमितताओं की पहचान नहीं की। नवंबर 2024 में, अमेरिका के न्याय विभाग ने मूल कंपनी के दो कार्यकारी निदेशकों एवं एक गैर-कार्यकारी निदेशक के खिलाफ अभियोग दायर किया और प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग की तरफ से एक दीवानी शिकायत दर्ज की थी। कंपनी के मुताबिक, इन निदेशकों पर आपराधिक अभियोग में तीन मामलों में आरोप लगाए गए हैं जो कथित प्रतिभूति और धोखाधड़ी की साजिश, कथित धोखाधड़ी की साजिश रचने और झूठे एवं भ्रामक बयान देने के लिए कथित प्रतिभूति धोखाधड़ी से संबंधित हैं। प्रतिभूति आयोग की दीवानी शिकायतों के मुताबिक, निदेशकों ने कुछ अहम कारकों को छोड़ दिया, जिससे प्रतिभूति अधिनियम 1933 और प्रतिभूति अधिनियम 1934 के तहत अमेरिकी निवेशकों को गुमराह करने वाले कुछ बयान सामने आए।

ओवैसी ने लोगों से की आज 15 मिनट के लिए लाइट बंद रखने की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। 'ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन' (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को लोगों से वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) द्वारा किए जा रहे प्रदर्शन के तहत 30 अप्रैल को रात नौ बजे से सवा नौ बजे के बीच अपने घरों की लाइटें बंद करने की अपील की है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान हैदराबाद से लोकसभा सदस्य ने कहा कि यह अधिनियम भारत के संविधान, विशेषकर

मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है तथा वक्फ बोर्ड के कामकाज में हस्तक्षेप करता है। उन्होंने कहा, ''मैं आप सभी से अपील करता हूं कि कल रात नौ बजे से सवा नौ बजे तक अपने घरों की लाइटें बंद कर दें ताकि नरेन्द्र मोदी सरकार को यह संदेश जाए कि वक्फ संशोधन कानून भारत के संविधान, विशेषकर मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।''

एआईएमआईएम मुख्यालय दारुस्सलाम में 20 अप्रैल को एआईएमपीएलबी द्वारा आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ विरोध तब तक जारी रहेगा जब तक इसे वापस नहीं ले लिया जाता।

■ वैशाख शुक्ल - 3 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 270 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 30-04-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस और सपा के कार्यकाल के दौरान उनके एजेंडे में देश व आम जनता नहीं थी

6 शुभ कार्य करने का अबूझ मुहूर्त है अक्षय तृतीया

7 दिल और दिमाग के लिए बेस्ट है 'ओम' का उच्चारण : भाग्यश्री

फर्स्ट टेक

रूस ने चीन को एस-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों की आपूर्ति की

मॉस्को/भाषा। रूस ने चीन को अत्याधुनिक एस-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति की है जिसमें आश्चर्यजनक बातें हैं। लेकिन चीन अब भी कुछ बातों को लेकर परेशान है। स्थानीय समाचार पोर्टल 'एबीएन 24' ने यह जानकारी दी। रूसी 'एस-400 ट्रायम्फ' वायु रक्षा प्रणाली को अपनी श्रेणी में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रणालियों के तौर पर प्रतिष्ठा प्राप्त है। उसे उनकी अच्छी विशेषताओं और विभिन्न प्रकार के हवाई लक्ष्यों को रोकने की क्षमता के लिए जाना जाता है। चीन ने 2014 में कई 'एस-400 ट्रायम्फ' खरीदने के लिए रूस के साथ अरबों डॉलर के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। कई वर्षों बाद, उस सौदे के बारे में रोचक विवरण सामने आए। तब 'एबीएन 24' ने कहा कि इस सौदे ने दुनिया भर का ध्यान आकर्षित किया और इसे चीनी-रूसी सैन्य सहयोग का एक महत्वपूर्ण प्रतीक माना गया। इसे चीन द्वारा अपनी राष्ट्रीय वायु रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम भी माना गया।

उत्तराखंडः आज शुरू होगी चारधाम यात्रा

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिरों के कपाट छह माह बंद रहने के बाद अक्षय तृतीया के पर्व पर बुधवार को फिर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिरों के कपाट खुलने के साथ ही इस वर्ष की चारधाम यात्रा की शुरुआत हो जाएगी हालांकि केदारनाथ और बदरीनाथ के कपाट क्रमशः दो मई और चार मई को खोले जाएंगे। उन्होंने बताया कि चारधाम यात्रा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था से लेकर अन्य सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। अधिकारियों ने बताया कि चारधाम यात्रा के लिए श्रद्धालुओं में अपार उत्साह नजर आ रहा है और अब तक देश-विदेश के 22 लाख से अधिक श्रद्धालु अपना पंजीकरण करवा चुके हैं।

चीन में रेस्तरां में आग लगने से 22 लोगों की मौत

बीजिंग/भाषा। चीन के लिओनिंग प्रांत के लिओयांग शहर में मंगलवार दोपहर एक रेस्तरां में आग लगने से 22 लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के मुताबिक, रेस्तरां में आग दोपहर करीब 12.25 बजे लगी। फिलहाल इसकी वजह नहीं बताई गई है। हालांकि, घटना से जुड़ी तस्वीरों में रेस्तरां की खिड़कियों से आग की भीषण लपटें बाहर निकलती देखी जा सकती हैं।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दुष्ट पड़ोसी

भारत की जन्म कुंडली में,
है दुष्ट पड़ोसी की छाया।
उत्पाती पाकिस्तान इधर,
तो उधर चीन भी बौराया।
अकड़े बांग्लादेश आज,
श्रीलंका रहता भरमाया।
ताबीज सभी का बना-बना,
सरकारों का मन उकताया।।

पहलगाम हमलाः प्रधानमंत्री मोदी ने कहा,

सशस्त्र बलों को लक्ष्य, कार्रवाई का समय तय करने की पूरी छूट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोदी ने यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और तीनों सेनाओं के प्रमुखों सहित शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता के दौरान यह टिप्पणी की।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि सशस्त्र बलों को पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई का तरीका, लक्ष्य और समय निर्धारित करने की पूरी अभियानगत छूट है।

मोदी ने यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और तीनों सेनाओं के प्रमुखों सहित शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता के दौरान यह टिप्पणी की। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, बैठक में मोदी ने कहा, ''आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है''।

सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने सशस्त्र बलों की क्षमता में पूर्ण विश्वास व्यक्त किया। एक सूत्र ने मोदी के हवाले से कहा, उन्हें (सशस्त्र बलों को) हमारी जवाबी कार्रवाई के तरीके, लक्ष्य और समय के बारे में फैसला लेने की पूरी अभियानगत छूट है। इस बैठक में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान भी शामिल हुए। यह बैठक पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत द्वारा उठाए जाने वाले संभावित कदमों पर विचार किए जाने के बीच हुई।

पहलगाम के लोकप्रिय पर्यटन स्थल बैसरन में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस हमले में शामिल आतंकवादियों और उनके आकाओं का पृथ्वी के अंतिम छोर तक पीछा करने और उन्हें उनकी कल्पना से परे कड़ी से कड़ी सजा देने का आह्वान किया है।

पहलगाम हमला जम्मू-कश्मीर में नागरिकों पर पिछले कई वर्षों में हुआ सबसे घातक हमला है, जिसे लेकर पूरे देश में आक्रोश की लहर है और हमलावरों तथा उनके आकाओं के खिलाफ कठोर जवाबी कार्रवाई की मांग उठ रही है।

प्रधानमंत्री की कठोर टिप्पणियों और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर उनकी सरकार के कड़े रुख के कारण भारत की ओर से करारी जवाबी कार्रवाई की उम्मीदें बढ़ गई हैं। मोदी सरकार ने 2016 में उरी में सेना के जवानों पर आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के अंदर 'सर्जिकल स्ट्राइक' की थी। उसने पुलवामा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के काफिले को निशाना बनाए जाने के बाद पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकवादी ठिकानों पर हवाई हमला किया था।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं, जिनमें पड़ोसी देश के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित करना भी शामिल है। सूत्रों ने बताया कि इससे पहले दिन में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें तीनों सेनाओं के प्रमुख और दो अन्य सुरक्षा संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए थे।

युवाओं को कौशल से सशक्त बनाकर भारत को वैश्विक नवाचार केन्द्र बनाना है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सरकार का प्रयास युवाओं को ऐसे कौशल से सशक्त बनाना है जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाएं और भारत को वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करें।

मोदी ने मंगलवार को यहां भारत मंडपम में युग्म नवाचार सम्मेलन को संबोधित करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि इस आयोजन के माध्यम से भारत की नवाचार क्षमता और 'डीप-टेक' में इसकी भूमिका को बढ़ाने के प्रयासों को गति मिलेगी। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर और मुंबई में कृत्रिम बुद्धिमत्ता , जैव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और चिकित्सा पर ध्यान केंद्रित करते हुए सुपर हब के उद्घाटन का जिक्र किया। उन्होंने वाधवानी इनोवेशन नेटवर्क के शुभारंभ का भी उल्लेख किया, जो राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन के सहयोग से अनुसंधान को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

प्रधानमंत्री ने वाधवानी फाउंडेशन, प्रौद्योगिकी संस्थानों और इन पहलों में शामिल सभी हितधारकों को बधाई दी। उन्होंने निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों के बीच सहयोग के माध्यम से देश की शिक्षा प्रणाली में सकारात्मक बदलाव लाने में रोमेश वाधवानी की समर्पण और सक्रिय भूमिका की भी विशेष सराहना की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके युवाओं पर निर्भर करता है और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने में शिक्षा प्रणाली महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने 21वीं सदी की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत की शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति वैश्विक शिक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। उन्होंने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, शिक्षण सामग्री और कक्षा एक से सात तक के लिए नई पाठ्यपुस्तकों के विकास पर टिप्पणी की।

उन्होंने पीएम ई-विद्या और दीक्षा प्लेटफार्मों के तहत एआई-आधारित और स्केलेबल डिजिटल शिक्षा अवसंरचना मंच - 'एक राष्ट्र, एक डिजिटल शिक्षा अवसंरचना' के निर्माण पर प्रकाश डाला, जिससे 30 से अधिक भारतीय भाषाओं और सात विदेशी भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें तैयार की जा सकेंगी।

ईडी ने चिटफंड मामले में गोल्डेनलैंड ग्रुप की 1428 करोड की संपत्ति कुर्क की

भुवनेश्वर/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने एक चिटफंड मामले में 'गोल्डनलैंड ग्रुप ऑफ कंपनीज' की 1,428 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने एक बयान में दावा किया कि उसकी जांच से पता चला है कि 'गोल्डन लैंड डेवलपर्स लिमिटेड' और 'जीएलपी डेवलपर्स लिमिटेड' से जुड़े व्यक्तियों, संस्थाओं और कंपनियों ने 'रियल एस्टेट' विकास की आड़ में ओडिशा और आंध्र प्रदेश में जनता से अवैध रूप से भारी मात्रा में रकम जुटायी। ईडी ने आरोप लगाया कि उसने भोले-भाले लोगों को ऊंचे रिटर्न का झूठा वादा करते हुए 'भूखंड बुकिंग' की आड़ में एकमुश्त जमा, आवर्ती जमा और मासिक निवेश योजनाओं एवं अन्य अवैध वित्तीय कारोबार शुरू किये।

न्यायमूर्ति गवई अगले प्रधान न्यायाधीश नियुक्त

नई दिल्ली/भाषा। न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई को मंगलवार को भारत का अगला प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) नियुक्त किया गया। न्यायमूर्ति गवई 14 मई को सीजेआई का पदभार संभालेंगे। मौजूदा सीजेआई न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का कार्यकाल 13 मई को समाप्त हो रहा है। विधि मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी कर न्यायमूर्ति गवई को भारत के 52वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। न्याय विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है, ''संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई को 14 मई, 2025 से भारत का प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया है।''

आरएसएस प्रमुख भागवत ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने पहलगाम आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में, मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पिछले हफ्ते मंगलवार को हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। बताया जा रहा है कि गृह मंत्री अमित शाह भी भागवत के साथ बैठक में मौजूद थे। पाकिस्तान से संबंध रखने वाले आतंकवादियों द्वारा 22 अप्रैल को किये गए आतंकी हमले के बाद, सरकार द्वारा जवाबी कार्रवाई के विकल्पों पर विचार किए जाने के बीच प्रधानमंत्री आवास पर दोनों नेताओं (शाह और भागवत) ने अपने विचार साझा किए। सूत्रों ने बताया कि यह बैठक आतंकी हमले के सिलसिले में हुई। आरएसएस को केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा का वैचारिक मार्गदर्शक माना जाता है, इसलिए यह बैठक मायने रखती है।

कांग्रेस की चेतावनीः

पहलगाम हमले पर पार्टी के रुख से हटकर बयान देने पर होगी कार्रवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मंगलवार को अपने नेताओं, प्रवक्ताओं और अन्य पदाधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि पहलगाम आतंकी हमले पर पार्टी के आधिकारिक रुख से इतर बयानबाजी करने को अनुशासनहीनता मानी जाएगी और कारवाई होगी।

पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कांग्रेस पदाधिकारियों को लिखे पत्र में यह भी कहा कि पार्टी के नेता, प्रवक्ता, मीडिया पैनलिस्ट, अथवा कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के आधिकारिक हैंडल द्वारा दिए जाने वाले सभी वक्तव्य, टिप्पणियां और प्रस्तुतियां अनिवार्य रूप से कांग्रेस कार्य समिति के प्रस्ताव के अनुरूप हों। उन्होंने यह चेतावनी उस वक्त जारी की जब पार्टी के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गायब बताते हुए एक पोस्ट किया गया। इसमें जो प्रतीकात्मक तस्वीर पोस्ट की गई थी उसमें सिर नहीं था। इसको लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला।

यही नहीं, कांग्रेस के कई नेताओं ने हाल के दिनों में पहलगाम हमले को लेकर पार्टी लाइन से हटकर विवादित बयान भी दिए हैं।

पत्र में वेणुगोपाल ने कहा, कांग्रेस पार्टी पहलगाम में हुए निंदनीय आतंकी हमले से गहरे शोक में है और इस दुखद घड़ी में राष्ट्र के साथ पूर्ण एकजुटता के साथ खड़ी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, ''ऐसे कठिन समय में, जब हमारी सामूहिक संकल्पशक्ति की परीक्षा हो रही है, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को एकता, परिपक्वता और जिम्मेदारी का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए जो उन मूल्यों को दर्शाए, जिनके आधार पर पार्टी ने दशकों तक राष्ट्र की सेवा की है, चाहे पार्टी सरकार में रही हो या विपक्ष में।''

उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में 24 अप्रैल 2025 को हुई कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में पारित प्रस्ताव के माध्यम से पहलगाम हमले को लेकर पार्टी की ठोस और सर्वसम्मत स्थिति स्पष्ट रूप से निर्धारित की गई है।

उनका कहना है कि यह प्रस्ताव इस विषय पर पार्टी की सार्वजनिक अभिव्यक्ति का एकमात्र आधार होना चाहिए। वेणुगोपाल ने कहा, अतः यह निर्देश दिया जाता है कि पार्टी के नेता, प्रवक्ता, मीडिया पैनलिस्ट, अथवा कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के आधिकारिक हैंडल्स द्वारा दिए जाने वाले सभी वक्तव्य, टिप्पणियां और प्रस्तुतियां अनिवार्य रूप से सीडब्ल्यूसी के प्रस्ताव के अनुरूप हों। पार्टी लाइन से हटकर किया गया कोई भी बयान अथवा अनौपचारिक टिप्पणी गंभीर अनुशासनहीनता मानी जाएगी।

सुरक्षाः जम्मू-कश्मीर में करीब 50 पर्यटन स्थल बंद

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर में अधिकारियों ने सुरक्षा चिंताओं को ध्यान में रखते हुए समूचे केंद्र शासित प्रदेश के कम से कम 50 रिजार्ट और पर्यटन स्थलों को 'बंद' कर दिया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह निर्णय पिछले सप्ताह पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद सभी जिलों में किए गए 87 पर्यटन-स्थलों की व्यापक सुरक्षा ऑडिट के बाद लिया गया है। गौरतलब है कि अनंतनाग जिले के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 25 पर्यटक और एक स्थानीय निवासी मारा गया था। पर्यटकों के लिए अब प्रतिबंधित प्रमुख स्थलों में बांदीपुरा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर स्थित गुरेज़ घाटी शामिल है जिसने पिछले दशक में हजारों पर्यटकों को आकर्षित किया है। बंद किए गए अन्य प्रमुख स्थलों में बडगाम में यूसमर्ग और दूधपथरी, दक्षिण कश्मीर में अहरबल, कोंसरनाग और वेरीनाग, बारामुल्ला में एलओसी पर कमान पोस्ट और कुपवाड़ा में सुरम्य बंगस घाटी शामिल हैं।

पाक रक्षा मंत्री का बयान बताता है कि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला 'दुष्ट देश' है : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। भारत ने कहा है कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुलेआम कबूल किया है कि उनके देश का आतंकवादी संगठनों का समर्थन और वित्तपोषण करने का इतिहास रहा है, और यह कबूलनामा उजागर करता है कि पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला एक ''दुष्ट देश'' है और क्षेत्र को अस्थिर कर रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की उप स्थायी प्रतिनिधि राजदूत योजना पटेल ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद निरोधक कार्यालय के 'विक्टिम्स ऑफ टेररिज्म एसोसिएशन नेटवर्क' (वोटन) के डिजिटल सह प्रत्यक्ष (हाइब्रिड) उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित किया और पाकिस्तान के प्रतिनिधि द्वारा जम्मू कश्मीर के पहलगाम आतंकवादी हमले का संदर्भ दिए जाने पर अपने 'जवाब देने के अधिकार' का इस्तेमाल करते हुए इसका जोरदार तरीके से उत्तर दिया।

पटेल ने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक विशेष प्रतिनिधि ने दुष्प्रचार करने और भारत के खिलाफ निराधार आरोप लगाने के लिए इस मंच का दुरुपयोग करने और इसे कमजोर करने का विकल्प चुना है।'' उन्होंने कहा, ''पूरी दुनिया ने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ को हाल में एक टेलीविजन साक्षात्कार में आतंकवादी संगठनों का समर्थन, प्रशिक्षण और वित्त पोषण करने के पाकिस्तान के इतिहास को कबूलते हुए सुना है।''

न्यूजीलैंड में 6.2 तीव्रता का भूकंप

वेलिंगटन/एपी। न्यूजीलैंड के पश्चिमी तट पर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए जिनकी 6.2 तीव्रता थी। सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि स्थानीय समयानुसार रात एक बजे के कुछ समय बाद भूकंप आया। यह न्यूजीलैंड के इन्वरकार्गिल से 300 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में और समुद्र के 10 किलोमीटर नीचे था। न्यूजीलैंड में निगरानीकर्ताओं ने भूकंप को मध्यम तीव्रता का बताया है।

न्यूजीलैंड में आए भूकंप से नुकसान के संबंध में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। न्यूजीलैंड की जनसंख्या 50 लाख है और यह ''रिंग ऑफ फायर'' पर स्थित है, जहां भूकंप और ज्वालामुखी आम हैं।

ईडी ने चिटफंड मामले में गोल्डेनलैंड ग्रुप की 1428 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने एक चिटफंड मामले में 'गोल्डनलैंड ग्रुप ऑफ कंपनीज' की 1,428 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है।

ईडी ने एक बयान में दावा किया कि उसकी जांच से पता चला है कि 'गोल्डन लैंड डेवलपर्स लिमिटेड' और 'जीएलपी डेवलपर्स लिमिटेड' से जुड़े व्यक्तियों, संस्थाओं और कंपनियों ने 'रियल एस्टेट' विकास की आड़ में ओडिशा और आंध्र प्रदेश में जनता से अवैध रूप से भारी मात्रा में रकम जुटायी।

ईडी ने आरोप लगाया कि उसने भोले-भाले लोगों को ऊंचे रिटर्न का झूठा वादा करते हुए 'भूखंड बुकिंग' की आड़ में एकमुश्त जमा, आवर्ती जमा और मासिक निवेश योजनाओं एवं अन्य अवैध वित्तीय कारोबार शुरू किये।

बयान में आरोप लगाया गया है, ''सहयोगी कंपनियों तथा निदेशकों और सहयोगियों के खातों में बड़े पैमाने पर नकदी अंतरण का भी पता चला है।''

उसमें कहा गया है, ''प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के भुवनेश्वर क्षेत्रीय कार्यालय ने धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत मेसर्स गोल्डनलैंड ग्रुप ऑफ कंपनीज की 1428 करोड़ रुपये की वर्तमान कीमत वाली संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है।''

इन संपत्तियों में 15.06 करोड़ रुपये की बैंक जमा राशि और ओडिशा तथा आंध्र प्रदेश के विभिन्न जिलों में करीब 1,000 एकड़ जमीन के अलावा कुछ निर्मित इमारतें और संरचनाएं शामिल हैं।

ईडी ने पिछले साल फरवरी में ओडिशा, पंजाब, चंडीगढ़ में इन कंपनियों से जुड़े लोगों की संपत्तियों की तलाशी ली थी।

निदेशालय ने भादंसं की विभिन्न धाराओं के तहत सीबीआई द्वारा दर्ज की गयी प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की थी।

अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान में हुआ उल्लेखनीय कार्य : खट्टर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय आवास, शहरी कार्य एवं विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके नेतृत्व में राजस्थान विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और ऊर्जा के क्षेत्र में खासतौर से अक्षय ऊर्जा में राज्य में बेहतरीन कार्य किया जा रहा है। खट्टर ने मंगलवार को यहां मुख्यमंत्री आवास पर शर्मा के साथ ऊर्जा एवं नगरीय विकास विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि पीएम कुसुम योजना तथा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में राज्य सरकार ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

उन्होंने वित्त वर्ष 2024-25 में राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम द्वारा दिसम्बर तक 355 करोड़ रूपये से अधिक का लाभ अर्जित करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पीक ऑवर्स में उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य में पंप स्टोरेज एवं बैटरी स्टोरेज की क्षमता को तेजी से विकसित किया जाए। खट्टर ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली

योजना में राजस्थान को देश के अग्रणी राज्यों में बताते हुए कहा कि इस योजना से प्रदूषण मुक्त एवं सस्ती ऊर्जा उपलब्ध हो रही है। उन्होंने बताया कि राज्य बजट 2025-26 में मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना के लाभान्वित परिवारों को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जोड़ते हुए 150 यूनिट बिजली निःशुल्क उपलब्ध कराने की घोषणा की गई है। केन्द्रीय विद्युत मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के तहत कार्यों में गति लाते हुए अधिक से अधिक परिवारों को जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी विभागों सहित उपभोक्ताओं के आवास पर स्मार्ट प्री-पेड मीटर्स लगाने को प्राथमिकता दी जाए।

इसमें केन्द्र सरकार द्वारा अंशदान भी दिया जाएगा। नगरीय विकास विभाग की समीक्षा के दौरान खट्टर ने कहा कि प्रत्येक नगर निकाय में सीवरेज अनिवार्य रूप से हो तथा आवश्यकतानुसार पुराने और जर्जर सीवरेज को बदलने तथा एलाइनमेंट ठीक करने के कार्य भी किए जाए। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा जरूरतमंद लोगों की मदद तथा अनुपयोगी वस्तुओं के पुनः उपयोग के लिए शुरू किये गए मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र को अच्छी पहल बताते हुए इसकी सराहना की।

बैठक में स्वच्छ भारत मिशन, पीएम ई-बस सेवा, जयपुर मेट्रो रेल, अमृत मिशन 2.0 जैसे केन्द्र द्वारा वित्तपोषित राजस्थान के विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाओं और प्रधानमंत्री आवास योजना के विकास, विस्तार और वित्तीय मॉडल की समीक्षा की गई। इस अवसर पर केन्द्र और राजस्थान सरकार के वरिष्ठ अधिकारी ने सभी महत्वपूर्ण शहरी विकास परियोजनाओं के संबंध में खट्टर और शर्मा के समक्ष विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया।

सरिस्का में बाघिन ने तीन शावकों को दिया जन्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के सरिस्का बाघ अभयारण्य में एक बाघिन ने तीन शावकों को जन्म दिया है। इसका पहला चित्र सामने आते ही सरिस्का प्रशासन, वन्यजीव प्रेमियों और वन विभाग के अधिकारियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। वन विभाग के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि इनके साथ ही अब बाघों की संख्या बढ़कर 44 हो गई है। इनकी बढ़ती संख्या को देखते हुए सरिस्का का लगातार विस्तार हो रहा है।

सभी नर बाघ अपना क्षेत्र बनाने के लिए अलवर शहर से लगते जंगल के मध्यवर्ती और मुख्य क्षेत्र के आसपास विचरण कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि राजस्थान स्थित सरिस्का बाघ संरक्षित अभयारण्य में एसटी 30 बाघिन को तीन शावकों के साथ देखा जाना वन्यजीव संरक्षण प्रयासों के लिये एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में माना जा रहा है। यह बाघ पुनर्स्थापन कार्यक्रम के लिए मील का पत्थर है। वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा की गई नियमित निगरानी गश्त के दौरान इन्हें देखा गया था। करीब दो महीने के शावक बाघिन के साथ स्वस्थ देखे गये।

एसटी 30 बाघिन द्वारा पहली बार बच्चों को जन्म दिया गया है, जिसे 2023 में रणथंभौर से लाकर टेहला रेंज के भगानी क्षेत्र में छोड़ा गया था। एसटी 30 सरिस्का के बाघ पुनर्स्थापन नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है और उसकी सफल प्रजनन प्रक्रिया संरक्षित अभयारण्य की सुधरती आवासीय स्थिति और प्रभावी प्रबंधन प्रयासों का सकारात्मक संकेत है। बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने बाघिन और उसके शावकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निगरानी बढ़ा दी है, जिसमें कैमरा और जमीनी गश्त करके मानवीय हस्तक्षेप को न्यूनतम किया जा रहा है।

हम संविधान की पुस्तकें घुमाने वाले नहीं हैं : बालमुकंद आचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में जयपुर के हवा महल से विधायक स्वामी बालमुकुंद आचार्य ने कहा है कि हम संविधान मानने वाले लोग हैं, संविधान की पुस्तकें घुमाने वाले नहीं हैं। राजस्थान में अलवर में परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम में भाग लेने के लिए रात में पहुंचे बालमुकुंद ने पत्रकारों से कहा कि उनके खिलाफ जो प्राथमिकी दर्ज हुई है, उसकी वह शिकायत नहीं करेंगे, संविधान में सबको अधिकार है। उनको लगा होगा, उन्होंने मामला दर्ज कराया है, लेकिन अब धीरे-धीरे सामने आ रहा है कि मस्जिद वहां से बहुत दूर थी इसलिए जांच में सब साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि देश में रहकर अगर कोई पाकिस्तान से प्रेम करेगा, आतंकवाद से प्रेम करेगा तो ऐसे कैसे चलेगा। उन्होंने जयपुर के दो विधायकों पर हमला बोलते हुए कहा कि ये तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। भेदभाव करते हैं।

धारा 144 लगी होने के बाद भी ये भीड़ इकट्ठा करके माहौल खराब करते हैं। बालमुकंद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि आतंकवाद का सफाया करना प्रमुख कार्य है और सफाई होना चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ सभी समाजों को आवाज उठानी चाहिए, लेकिन यहां कुछ लोग तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि आतंकवादियों को छुड़ाने के लिए और उनको बचाने के लिए कौन सामने आया। वकील किसने खड़े किए और किस दल के वकील थे। यह सब को पता है। बालमुकंद ने कहा कि मोदी के कार्यकाल में दो घटनाएं ऊरी और अब पहलगाम वाली हुई हैं। इतनी सुरक्षित जगह होने के बाद भी वहां इतने अंदर आतंकवादी किस तरीके से पहुंचे कौन उनमें सहयोगी रहा। स्थानीय लोगों में कौन शामिल रहा यह जांच का विषय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा आतंकवाद के पक्ष में खड़ी रही। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सनातनियों पर लगातार अत्याचार कर रही हैं और तुष्टीकरण की नीति अपनाई जा रही है।

उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि यह एक परिवार की पार्टी है। मां, बेटा बहन और जीजा। इनके अलावा इस पार्टी में बताओ कौन हैं। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी भारतीय नहीं है इसलिए उनकी भावना देश से जुड़ी हुई भी नहीं है। उल्लेखनीय है कि बालमुकंद आचार्य हाल ही जयपुर में एक धार्मिक स्थल के सामने पाकिस्तान मुर्दाबाद का नारा लगाने के दौरान एक वर्ग से तनातनी होने के चलते विवादों में आये। उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। इसी मामले में वह पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

दीया कुमारी ने किशन कंवर डिप्टी जैतसिंह मेमोरियल आयुर्वेदिक औषधालय का किया लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनूं। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मंगलवार को झुंझुनूं जिले में उदयपुरवाटी उपखंड के इंद्रपुरा गांव में धमाना शेखा सेवा संस्थान द्वारा निर्मित किशन कंवर डिप्टी जैतसिंह मेमोरियल आयुर्वेदिक औषधालय का लोकार्पण किया। उपमुख्यमंत्री बीकेएसएस महाविद्यालय द्वारा आयोजित बीएड, डीएलएड एवं फार्मेसी कॉलेज के सामूहिक वार्षिकोत्सव में भी पहुंची जहां उन्होंने युवाओं का उत्साहवर्धन किया और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बजट में झुंझुनूं जिले को कई सौगाते मिली हैं और जरूरतों के मुताबिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मुख्य सड़क से इंद्रपुरा तक दो किलोमीटर सड़क और रींगस से उदयपुरवाटी वाया श्रीमाधोपुर -खण्डेला तक की सड़क का नवीनीकरण किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में आवागमन और विकास को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम में झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भाम्बू, भाजपा जिला अध्यक्ष बनवारी सैनी, भामाशाह विजेंद्र सिंह इंद्रपुरा, पूर्व कुलपति लोकेश शेखावत आदि मौजूद थे।

विकसित राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति में केन्द्र सरकार का मिल रहा पूरा सहयोग : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने के लिए ऊर्जा एवं नगरीय विकास विभाग की अहम भूमिका बताते हुए कहा है कि इसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और प्रदेश में बिजली तंत्र तथा शहरी बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए केन्द्र सरकार से पूरा सहयोग मिल रहा है। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर केन्द्रीय आवास, शहरी कार्य एवं विद्युत मंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ ऊर्जा एवं नगरीय विकास विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक ले रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं को सफलतापूर्वक धरातल पर उतार रही है, जिससे प्रदेश की आठ करोड़ जनता को लाभ मिल रहा हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केन्द्र और राज्य सरकार की संयुक्त परियोजनाओं को केन्द्र के साथ समन्वय बनाते हुए समयबद्ध रूप से पूरा करें। शर्मा ने ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि हम राज्य के किसानों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली देने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे है। इस लक्ष्य को हासिल करने में पीएम कुसुम योजना की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत राज्य में कम समय में ही लगभग 800 मेगावाट के विकेन्द्रीकृत सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित हुए हैं। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति के लिए उत्पादन इकाइयों एवं प्रसारण तंत्रों का उचित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बिजली तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा निरंतर सहयोग प्राप्त हो रहा है। पिछली राज्य सरकार की नीतियों की वजह से हमारी थर्मल इकाइयां कोयला आपूर्ति के संकट से जूझ रही थी लेकिन केन्द्र सरकार के सहयोग से अब हमारे थर्मल बिजलीघरों के पास पर्याप्त मात्रा में कोयला उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि रबी सीजन के दौरान राज्य सरकार ने प्रदेश के किसानों को निर्बाध बिजली आपूर्ति की है। साथ ही फरवरी से अब तक की पीक डिमांड 19 हजार 165 मेगावाट को भी पूरा किया गया है।

उन्होंने केंद्रीय विद्युत उत्पादन संयंत्रों के कॉमन पूल से प्रदेश को आवंटित अस्थाई विद्युत कोटे के रूप में पूरा सहयोग देने के लिए केन्द्र सरकार आभार व्यक्त किया। शर्मा ने खट्टर से प्रदेश की पीक ऑवर्स में बिजली की मांग के अनुरूप बिजली के आवंटन में बढ़ोतरी का आग्रह किया। जिस पर सकारात्मक आश्वासन दिया गया। बैठक में पीएम ई-बस सेवा योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि इस योजना के तहत राजस्थान को 675 बसों का प्रारम्भिक आवंटन हुआ था। राज्य सरकार के अनुरोध पर अब इसके लिए केन्द्र द्वारा अतिरिक्त 125 बसें भी दी जाएगी जिससे शहरी क्षेत्र में सार्वजनिक सेवा को मजबूती मिलेगी। इस दौरान जयपुर मेट्रो परियोजना, अमृत 2.0, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) सहित विभिन्न योजनाओं की राज्य में प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा, ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी मौजूद थे।

सुनिश्चित करना होगा कि एआई हमारी परंपराओं को खतरे में न डालें : शेखावत

जयपुर, । केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भविष्य है लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह संस्कृतियों, विविध परंपराओं या रचनात्मक समुदायों को खतरे में न डाले। यूएई के अबू धाबी में चल रहे कल्चर समिट2025 मोंडिएकल्ट में मंत्री स्तरीय संवाद में 'संस्कृति और मानव रचनात्मकता पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव' शीर्षक वाले सत्र में श्री शेखावत ने बताया कि भारत पारदर्शी, समावेशी, नैतिक, जिम्मेदार और हमारी समृद्ध सभ्यतागत विरासत में निहित एआई के निर्माण में वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है।

शेखावत ने संयुक्त अरब अमीरात के संस्कृति मंत्री शेख सलेम बिन खालिद अल कासिमी, स्पेन के संस्कृति मंत्री अर्नेस्ट उर्टसुन और यूनेस्को में संस्कृति के सहायक महानिदेशक अर्नेस्टो रेनाटो ओटोन रामिरेज के साथ चर्चा भी की। कला संग्रहालय लौवर का दौरा शेखावत ने कला संग्रहालय लौवर, अबू धाबी का दौरा किया। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय कला, वास्तुकला और कहानी कहने का एक अद्भुत संगम है, जो संस्कृतियों को जोड़ता है। शेखावत ने कहा कि यह अद्भुत संग्रहालय मानव रचनात्मकता के माध्यम से एक अनूठी यात्रा प्रदान करता है।

राज्य सरकार जलवायु विकास एवं नेतृत्व के लिए प्रतिबद्ध : मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में राजस्थान में जलवायु विकास एवं नेतृत्व के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन किया गया। डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि राजस्थान की जलवायु मुख्यतः शुष्क से उप-आद्र मानसूनी है, जिससे राज्य के पश्चिमी भाग में अत्यधिक शुष्क एवं मरूस्थलीय जलवायु है जबकि पूर्वी भाग में अपेक्षाकृत अधिक वर्षा और उप आद्र जलवायु है। यहां की जलवायु में गर्मी और सर्दी दोनो चरम तापमान पर होते हैं और वर्षा की मात्रा में भी अनियमितता होती है। उन्होंने कहा कि राज्य में जलवायु परिवर्तन नीति बनाई हुई है जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करना और इस दिशा में प्रभावी उपाय करना है। राजस्थान को भारत के सबसे संवेदनशील राज्यों में से एक के रूप में जाना जाता है, इसलिए जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन और कम करने के लिए राज्य कार्य योजना पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है। राजस्थान को भारत के चार सबसे संवेदनशील राज्यों में से एक के रूप में पहचाना गया है, जिसमें जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन और कम करने की आवश्यकता है। राज्य सरकार जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के प्रति संवेदनशील है और इस दिशा में विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए राज्य सरकार द्वारा कई उपाय किये जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम व वर्षा में अप्रत्याक्षितता बढ़ रही है और तापमान में वृद्धि हो रही है, जिससे राज्य के कई हिस्सों में अत्यधिक गर्मी हो रही है। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन एक गंभीर चुनौती है और राज्य सरकार इस दिशा में विकास और नेतृत्व के लिए प्रतिबद्ध है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए प्रभावी उपाय किये जा रहे हैं। राज्य सरकार इस दिशा में अहम काम कर रही है।

राज्य पर्यावरण नीति के तहत मानव, स्वास्थ्य, कृषि पशुपालन, सौर ऊर्जा, उन्नत ऊर्जा, दक्षता और जलवायु परिवर्तन के लिए रणनीतिक क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राज्य की जलवायु नीति और कार्य योजना राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप है और समयबद्ध तरीके से चरणबद्ध कार्यवाही पर केन्द्रित है, जिससे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम किया जा सके और राज्य के विकास को पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सके।

भीषण गर्मी जारी, बाड़मेर में अधिकतम तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस

जयपुर। राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी है जहां बीते चौबीस घंटे में बाड़मेर में अधिकतम तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को सुबह तक बीते 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा तथा राज्य के जोधपुर संभाग में ऊष्ण लहर दर्ज की गई। इस दौरान राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 46.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 4.3 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

इस दौरान न्यूनतम तापमान डूंगरपुर में 29.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग के अनुसार, पूर्वी राजस्थान में 29-30 अप्रैल को कहीं-कहीं लू चलने की संभावना है। वहीं मई के पहले सप्ताह में बादलों की गरज के साथ आंधी-बारिश की गतिविधियों से तापमान में गिरावट हो सकती है।

राजस्थान से 109 पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजा गया : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद राजस्थान से 109 पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजा जा चुका है जबकि 841 पाकिस्तानी नागरिकों ने दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) के लिए आवेदन किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस मुख्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यालय की सूचना के अनुसार विभिन्न वीजा लेकर राजस्थान प्रवास पर आए 841 पाकिस्तानी नागरिकों ने दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) के लिए आवेदन किया है। प्रवक्ता के अनुसार, गत दिनों में वीजा पर आए 109 पाकिस्तानी नागरिकों को हाल ही में राजस्थान से वापस पाकिस्तान भेजा जा चुका है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गत सप्ताह पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को पहलगाम हमले के मद्देनजर पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए थे।

पहलगाम आतंकी हमलाः जन्मदिन नहीं मनाएंगे गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के मद्देनजर तीन मई को अपना जन्मदिन नहीं मनाने का फैसला किया है। गहलोत ने कहा, पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले ने हम सभी को अंदर तक व्यथित कर दिया है।

परिवार के साथ सुखद समय बिताने के उद्देश्य से गए लोगों के लिए यह यात्रा एक जीवन भर का दुख दे गई। उन्होंने कहा, अभी तक उन परिवारों की मन:स्थिति सोचकर मन सिहर उठता है जिनके परिजनों को उनके सामने मार दिया गया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ऐसे समय में मैंने इस वर्ष तीन मई को अपना जन्मदिन नहीं मनाने का फैसला किया है।

तमिलनाडु में अगले साल फिर द्रमुक की सरकार बनेगी, 2026 में संस्करण 2.0 'लोड' हो रहा : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सत्ता में बने रहने का विश्वास जताते हुए मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मंगलवार को कहा, 2026 में संस्करण 2.0 लोड हो रहा है। विधानसभा में अपने गृह विभाग पर चर्चा का जवाब हुए मुख्यमंत्री ने चार साल पुरानी द्रमुक सरकार की विभिन्न उपलब्धियों को गिनाया।

द्रमुक के अध्यक्ष स्टालिन ने कहा कि पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत राज्य ने बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि 2024-25 में तमिलनाडु 9.69 प्रतिशत की विकास दर के साथ नंबर 1 पर होगा। यह देश की 6.5 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि से अधिक है।

उन्होंने संकेत दिया कि ऐसी वृद्धि दर अभूतपूर्व है और कहा कि केंद्रीय सांख्यिकी ने भी इसकी पुष्टि की है। मुख्यमंत्री ने मिडिल स्कूलों में कोई ड्रॉपआउट नहीं (पढ़ाई बीच में नहीं छोड़ना), गरीबी उन्मूलन के प्रयास और उच्च शिक्षा में प्रगति सहित उपलब्धियों को गिनाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके अलावा कानून और व्यवस्था अच्छी तरह से कायम है, हालांकि कुछ लोग चाहते हैं कि यह प्रभावित हो। उन्होंने कहा कि यदि (उनके पिता) पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि जीवित होते तो वह यह कहते कि स्टालिन

उपलब्धियों की प्रतिमूर्ति हैं। उन्होंने याद किया कि उनके पिता ने एक बार कहा था कि स्टालिन कड़ी मेहनत का पर्याय हैं।

स्टालिन ने कहा कि केंद्र सरकार, राज्यपाल तथा वित्तीय संकट के कारण उत्पन्न सभी बाधाओं के बावजूद उनकी सरकार ने बाधाओं को पार करते हुए रिकॉर्ड कायम किया। उन्होंने जोर देकर कहा, यह एक व्यक्ति का शासन नहीं है। मैं इसे द्रविड़ मॉडल सरकार कहता हूं जो सिद्धांत आधारित शासन का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि 'कॉलोनी' शब्द को हटाया जाएगा क्योंकि यह भूमि के मूल निवासियों को संदर्भित करने के लिए अपमानजनक शब्द है। उन्होंने कहा, यह प्रभुत्व और अस्पृश्यता का प्रतीक है। इसलिए, इस शब्द को आधिकारिक दस्तावेजों और सार्वजनिक व्यवहार से हटा दिया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और परियोजनाओं के कार्यान्वयन के कारण तमिलनाडु के मतदाता द्रमुक को समर्थन देंगे। स्टालिन कहा कि द्रमुक शासन मई में अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है और उन्हें विश्वास है कि विभिन्न योजनाओं और उपलब्धियों की बदौलत अगली सरकार भी द्रविड़ पार्टी के नेतृत्व में होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, अभी तक जो देखा गया है, वह केवल द्रविड़ मॉडल सरकार भाग-1 है। संस्करण 2.0- 2026 में आएगा। उसके बाद हम और अधिक रिकॉर्ड बनाएंगे। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव और तमिलनाडु के नेता प्रतिपक्ष ई.के पलानीस्वामी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री एम.के स्टालिन की 2026 के विधानसभा चुनावों के संदर्भ में की गई संस्करण 2.0 लोडिंग टिप्पणी का मजाक उड़ाया और महिला सुरक्षा समेत कई मुद्दों पर उनसे सवाल पूछे।

एर्णाकुलम में एनसीडब्ल्यू प्रमुख ने सरकारी आईसीसी की समीक्षा बैठक की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने यहां सरकारी विभागों की आंतरिक शिकायत समितियों (आईसीसी) के साथ बैठक की ताकि उनकी कार्यप्रणाली की समीक्षा की जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे सिर्फ कागजों तक ही सीमित न रहें। केरल की तीन दिवसीय यात्रा पर आयीं रहाटकर ने यहां संवाददाताओं को बताया कि बैठक करने के साथ-साथ इस बात का भी प्रयास किया गया कि कार्यस्थल यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम के तहत गठित आईसीसी और स्थानीय शिकायत समितियों (एलसीसी) के सदस्यों का प्रशिक्षण भी ठीक से पूरा हो।

उन्होंने कहा, ''ऐसा यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया कि समितियां केवल कागजों तक सीमित न रहें और प्रभावी ढंग से काम करें। हमने उन्हें यह भी बताया कि कानून के अनुसार काम करना अनिवार्य है। मुझे यकीन है कि समीक्षा बैठक और प्रशिक्षण से उन्हें लाभ होगा।'' एनसीडब्ल्यू प्रमुख ने कहा कि यहां क लेक्ट्रेट कॉन्फ्रेंस हॉल' में जन सुनवाई आयोजित की गई, जिसमें उन महिलाओं से प्राप्त कई शिकायतों का निपटारा किया गया, जिनके लिए दिल्ली में आयोग के मुख्यालय से संपर्क करना मुश्किल था। रहाटकर ने बताया कि आयोग को 36 शिकायतें मिली थीं, जिनमें से 31 का समाधान कर दिया गया या उन्हें बंद कर दिया गया, जबकि पांच अब भी लंबित हैं। उन्होंने कहा कि जन सुनवाई का उद्देश्य महिलाओं को राहत प्रदान करना है और इस तरह के प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने केरल राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष से भी मुलाकात की और उनके साथ अच्छी बातचीत हुई। एनसीडब्ल्यू प्रमुख ने कहा कि केरल में महिला आयोग प्रभावी ढंग से काम कर रहा है।

तिरुपति के निकट निर्माणाधीन इमारत से गिर जाने से तीन राजमिस्त्रियों की मौत

चेन्नई/तिरुपति/भाषा। तिरुपति के पास मंगलम इलाके में मंगलवार को एक निर्माणाधीन इमारत की पांचवीं मंजिल से गिर जाने से तीन राजमिस्त्रियों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतकों की पहचान बी श्रीनिवासुलु, के श्रीनिवासुलु और वसंत के रूप में हुई है। एक अन्य मिस्त्री माधव समय रहते खुद को बचाने में सफल रहा।

पुलिस उपाधीक्षक बी प्रसाद ने प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए 'पीटीआई-भाषा' को बताया, जिस मचान पर राजमिस्त्री काम कर रहे थे, उसे सुरक्षित रखने वाली रस्सियां ङ्कठीक से नहीं बंधी थीं और जब तीनों लोग उस पर खड़े थे, तो वह टूट गई और वे नीचे गिर गए। यह इमारत एक सेवानिवृत्त शिक्षक द्वारा बनवाई जा रही थी। सभी राजमिस्त्री श्रीकालहस्ती से आए थे और बीते कुछ दिनों से वहीं काम कर रहे थे। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस, राजस्व विभाग और नगर प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच के बाद मामला दर्ज किया जाएगा।

पलानीस्वामी ने स्टालिन के 'संस्करण 2.0 लोडिंग' टिप्पणी का मजाक उड़ाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव और तमिलनाडु के नेता प्रतिपक्ष ई.के पलानीस्वामी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री एम.के स्टालिन की 2026 के विधानसभा चुनावों के संदर्भ में की गई संस्करण 2.0 लोडिंग टिप्पणी का मजाक उड़ाया और महिला सुरक्षा समेत कई मुद्दों पर उनसे सवाल पूछे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले साल होने वाले चुनाव में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) सरकार को बाहर का रास्ता दिखा दिया जाएगा।

पलानीस्वामी ने कई मुद्दों को उठाया जिसमें पिछले वर्ष कल्लकुरिची शराब त्रासदी में लगभग 60 लोगों की मौत, अन्ना विश्वविद्यालय की छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न, वेंगईवायल में मुख्य रूप से अनुसूचित जाति के परिवारों के लिए बने पानी के टंकी में मानव मल मिलाना शामिल है। उन्होंने राज्य में मादक पदार्थों के प्रचलन को लेकर सत्तारूढ़ द्रमुक की आलोचना भी की। उन्होंने 2023 में नौकरी के लिए रिश्वत लेने के आरोप में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पूर्व मंत्री वी सेंथिल बालाजी की गिरफ्तारी को लेकर द्रमुक पर कटाक्ष किया।

पलानीस्वामी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अगले साल चुनावों में लोग कहेंगे बाय बाय स्टालिन। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 2026 में केवल एक ही संस्करण है - वह है, तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक। इससे पहले, स्टालिन ने अगले साल होने वाले चुनावों में अपनी पार्टी द्रमुक के सत्ता में बने रहने का विश्वास जताते हुए कहा कि 2026 का मतलब है संस्करण 2.0 लोड हो रहा है।

स्टालिन ने राज्य विधानसभा में अपने संबोधन में कहा कि द्रमुक शासन अगले महीने अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है और उन्हें विश्वास है कि विभिन्न योजनाओं और उपलब्धियों की बदौलत अगली सरकार भी द्रविड़ पार्टी के नेतृत्व में होगी। इस बीच, द्रमुक ने पलानीस्वामी की आलोचना के लिए उन पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह ऐसे आरोप इसलिए लगा रहे हैं क्योंकि स्टालिन पहले भी तूतीकोरिन में स्टरलाइट विरोधी प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की गोलीबारी और पोलाची यौन उत्पीड़न मामले को उठा चुके हैं। यह दोनों ही मामले अन्नद्रमुक की सरकार के दौरान हुए थे।

द्रमुक के संगठन सचिव आर एस भारती ने आरोप लगाया कि 2016-21 के बीच मुख्यमंत्री रहे पलानीस्वामी ने एक भ्रष्ट सरकार का नेतृत्व किया और पूछा कि क्या वह अगले संस्करण और बाकी सब के बारे में बोल सकते हैं। भारती ने पार्टी के एक बयान में कहा, 'अन्नाद्रमुक का संस्करण तब समाप्त हो गया जब वह भाजपा गठबंधन (राजग) में शामिल हो गई... चुनाव से पहले ही उन्हें पता है कि लोग उन्हें (राजग को) बुरी तरह हराने जा रहे हैं और इसलिए वह इस तरह का नाटक कर रहे हैं।'

''हाई प्रोफाइल'' व्यक्ति ने त्वचा की रंगत पर अपमानजनक टिप्पणी की थी : केरल की मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल की निवर्तमान मुख्य सचिव शारदा मुरलीधरन ने मंगलवार को कहा कि हाल में एक हाई प्रोफाइल'' व्यक्ति ने उनकी त्वचा की रंगत को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी, लेकिन वह उस व्यक्ति के नाम का खुलासा नहीं करना चाहती। मुरलीधरन 30 अप्रैल को अपनी दशकों लंबी नौकरशाही सेवा से सेवानिवृत्त हो रही हैं। उन्होंने कहा कि उस व्यक्ति ने न तो माफी मांगी और न ही इन टिप्पणियों के लिए खेद व्यक्त किया।

महिला नौकरशाह पिछले महीने एक फेसबुक' पोस्ट को लेकर चर्चा में थीं, जिसमें उन्होंने रंग और लैंगिकता के आधार पर अपने साथ हुए भेदभाव तथा समाज में इसकी मौजूदगी के बारे में बात की थी। अधिकारी के इस पोस्ट से सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई तथा कई लोगों ने उनका समर्थन किया।

एक व्यक्ति ने मुख्य सचिव के रंग रूप को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी और उनके काम की तुलना उनके पति एवं पूर्व मुख्य सचिव वी. वेणु से की थी। मुरलीधरन की इस टिप्पणी ने सामाजिक बहस को हवा दे दी थी। अपनी सेवानिवृत्ति से पहले एक टीवी चैनल से बात करते हुए मुरलीधरन ने कहा कि उन्होंने लोगों के मन में त्वचा के रंग को लेकर जो भेदभाव और पूर्वाग्रह है, उसे उजागर करने के लिए 'फेसबुक' पोस्ट डाली थी।

उन्होंने एक साक्षात्कार में चैनल को बताया कि यह सांवले रंग के प्रति लोगों के नजरिए का मुद्दा है। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह टिप्पणी किसी ''हाई प्रोफाइल'' व्यक्ति ने की थी, तो उन्होंने इसे स्वीकार किया। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि वह व्यक्ति कोई नेता था या कोई हाई प्रोफाइल अधिकारी। मुरलीधरन ने यह भी कहा कि ''हाई प्रोफाइल'' व्यक्ति ने उनसे संपर्क नहीं किया है या अपनी टिप्पणी पर अब तक कोई खेद व्यक्त नहीं किया है।

उन्होंने कहा, ''हम दोनों ने उस (विवाद) के बाद भी बहुत दोस्ताना तरीके से बातचीत की, लेकिन उस व्यक्ति ने इस मुद्दे पर बात नहीं की।'' मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि जब उन्होंने त्वचा के रंग को लेकर भेदभाव के बारे में बात की तो विभिन्न क्षेत्रों से कई लोगों ने उन्हें फोन करके उनके साथ एकजुटता जताई और उन्हें बताया कि उन्हें भी अपने जीवन में इसी तरह का अपमान सहना पड़ा है। ए. जयतिलक केरल के नए मुख्य सचिव होंगे क्योंकि मुरलीधरन 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हो रही हैं।

केंद्रीय मंत्री मुरुगन ने पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले रामचंद्रन के परिवार से की मुलाकात

कोच्चि/भाषा। केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले एन रामचंद्रन के परिवार से मुलाकात की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री ने यहां एडापल्ली स्थित रामचंद्रन के आवास पर उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात की तथा अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। सूत्रों के अनुसार रामचंद्रन की बेटी आरती ने मंत्री को घाटी की यात्रा के दौरान हुई इस वीभत्स घटना के बारे में बताया। आरती आतंकी हमले के समय मौके पर मौजूद थीं। मंत्री अपराह्न एक बजे के बाद रामचंद्रन के घर पर पहुंचे और परिवार के साथ करीब 30 मिनट तक रहे। एक सूत्र ने बताया, मंत्री ने दुख की इस घड़ी में परिवार के साथ संवेदना जताई और उनके दुख में शामिल हुए।

थाने में पहुंचा तेंदुआ, ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी की समझदारी की सराहना हुई

उधगमंडलम। यहां नादुवट्टम पुलिस थाने में सोमवार देर रात एक तेंदुआ घुस आया। हालांकि, तेंदुआ के चले जाने के बाद ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी के शांतिपूर्वक दरवाजा बंद करने के कार्य की राज्य की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुप्रिया साहू ने सराहना की। घटना का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि तेंदुआ आराम से थाने में घुसता है, थोड़ी देर रुककर इधर-उधर देखता है और कुछ पल बाद बाहर निकल जाता है। वीडियो में पुलिसकर्मी को पास के कमरे से आते हुए और तेंदुआ के जाने के बाद थाने के दरवाजे बंद करते हुए देखा गया।

तमिलनाडु सरकार की अतिरिक्त मुख्य सचिव (पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और वन) साहू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एक तेंदुए ने नीलगिरी के नादुवट्टम थाने का निरीक्षण करने का फैसला किया। ड्यूटी पर मौजूद पुलिस अधिकारी को सलाम, जिन्होंने शांति से दरवाजा बंद किया और वन अधिकारियों को बुलाया। कोई घायल नहीं हुआ। तेंदुआ सुरक्षित रूप से जंगल में वापस चला गया। पूरा घटनाक्रम थाने में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हो गया।

पहलगाम हमला : देवेगौड़ा ने मोदी द्वारा लिए गए निर्णयों को पूर्ण समर्थन दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने मंगलवार को कहा कि वह और उनकी पार्टी जनता दल (सेक्युलर) पहलगाम आतंकवादी हमले के दोषियों और उनका समर्थन करने वाले लोगों को दंडित करने के वास्ते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्र सरकार द्वारा लिए जा रहे निर्णयों का पूरा समर्थन करती है। जद (एस) प्रमुख ने कहा कि इस मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए और सभी को प्रधानमंत्री और केंद्र द्वारा लिए गए निर्णयों को ''एकजुट होकर समर्थन'' देना चाहिए।

देवेगौड़ा ने कहा, ''केंद्र सरकार कश्मीर की घटना के संबंध में निर्णय लेगी। पहली बार आतंकवादियों ने पर्यटकों पर इस तरह का हिंसक हमला किया है। सरकार के पास जानकारी है कि पाकिस्तान के समर्थन से यह आतंकवादी हमला किया गया है।'' उन्होंने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि पूरे देश और 140 करोड़ लोगों ने एक स्वर में कहा है कि वे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा की जाने वाली कार्रवाई का समर्थन करेंगे।

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, एक नागरिक होने के नाते और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल जद (एस) के अध्यक्ष एवं राज्यसभा के सदस्य के रूप में तथा मंत्रिमंडल के हमारे मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी और हमारी पार्टी के सदन के नेता एवं सांसद मल्लेश बाबू के साथ यह कहता हूं कि हम इस मामले में केंद्र सरकार द्वारा लिए जाने वाले सभी निर्णयों को पूरा समर्थन देते हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत और पाकिस्तान के संबंध खराब हो गए हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या घटना के बाद प्रधानमंत्री की ओर से उन्हें कोई फोन आया, इसके जवाब में गौड़ा ने कहा कि उन्हें कोई फोन नहीं आया है और यदि जरूरत पड़ी तो वह लिखित रूप में अपनी राय साझा करेंगे।

उन्होंने कहा, मोदी के नेतृत्व का पूरे देश और पूरी दुनिया में सम्मान है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई देशों और उनके नेताओं ने इस घटना की निंदा की है और भारत के प्रति समर्थन जताया है। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि इस मुद्दे में राजनीति नहीं की जानी चाहिए।

भास्कर टी नागेंद्रप्पा ने क्रेडाई कर्नाटक के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला

बेंगलूरु। क्रेडाई कर्नाटक ने 2025-27 के लिए भास्कर टी नागेंद्रप्पा को अपना नया अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की है। नेतृत्व के व्यापक ट्रैक रिकॉर्ड और रियल एस्टेट क्षेत्र के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता के साथ, वह वर्तमान अध्यक्ष प्रदीप डी रायकर से बागडोर संभाली। भास्कर अपने साथ संगठन को आगे बढ़ाने के लिए एक नया दृष्टिकोण और अभिनव रणनीति लेकर आए हैं। उनके मार्गदर्शन में, क्रेडाई कर्नाटक उभरती चुनौतियों का समाधान करने और राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के अवसरों को भुनाने के लिए तैयार है। भास्कर इससे पहले क्रेडाई बेंगलूरु (2021-2023) के अध्यक्ष और क्रेडाई कर्नाटक के निर्वाचित अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके हैं, जिसके दौरान उन्होंने असाधारण रणनीतिक नेतृत्व का प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय स्तर पर, वे क्रेडाई नेशनल में कौशल विकास समिति के अध्यक्ष के रूप में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता रहे हैं। कर्नाटक सरकार के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और क्रेडाई कर्नाटक के अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में यह बदलाव हुआ। अन्य पदाधिकारियों में उदय शंकर शेट्टी उपाध्यक्ष-उत्तर, डी श्रीहरि उपाध्यक्ष-दक्षिण, महावीर एस मेहता सचिव, संयुक्त सचिव के रूप में ममता भरकतिया, पंचाक्षरी एस हीरेमठ को संयुक्त सचिव-उत्तर, श्री. अरुण पंडित एल को संयुक्त सचिव-दक्षिण, और कोषाध्यक्ष के रूप में धनराज तलमपल्ली बने हैं।

मंत्री परमेश्वर ने पुलिस अफसर के प्रति मुख्यमंत्री के बर्ताव पर भाजपा को जिम्मेदार ठहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मंगलवार को एक जनसभा के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं के रवैये पर आपत्ति जताते हुए कहा कि उनके कारण मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या एक पुलिस अधिकारी पर अपना आपा खो बैठे। सिद्दरामय्या ने कथित तौर पर मंच पर एक पुलिस अधिकारी की ओर अपना हाथ उठाया और तुरंत नीचे भी कर लिया।

जिला मुख्यालय बेलगावी में सोमवार को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के विरोध में आंदोलन के दौरान जब मुख्यमंत्री वहां मौजूद लोगों को संबोधित करने के लिए खड़े हुए तो कुछ महिलाओं ने सिद्दरामय्या को काला झंडा दिखाया। मुख्यमंत्री इस अचानक हुए घटनाक्रम से परेशान हो गए और खराब सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नाराज हो गए।

हंगामे के बीच जैसे ही सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) नारायण भरमनी मंच पर चढ़े और मुख्यमंत्री के पास पहुंचे तो उन्होंने कथित तौर पर उनकी ओर हाथ उठाया और तुरंत अपना हाथ नीचे कर लिया। बाद में उन्होंने अधिकारी पर चिल्लाते हुए कहा, बेलगावी के एसपी (पुलिस अधीक्षक) कौन है? यहां क्या हो रहा है? आप यहां क्या कर रहे हैं?

परमेश्वर ने यहां पत्रकारों से कहा कि उनके पास अखबारों में छपी खबरों के अलावा पूरी जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री के नाराज होने के बारे में मेरे पास कोई और जानकारी नहीं है। मैं जानकारी जुटाऊंगा और बाद में इस पर प्रतिक्रिया दूंगा।'' मंत्री ने कहा, ''मेरे पास जो प्रारंभिक जानकारी है, वह यह है कि भाजपा की महिला मोर्चा की कुछ कार्यकर्ता कांग्रेस की शॉल ओढ़कर कार्यक्रम स्थल में घुस गईं।''

जब कांग्रेस के अन्य नेता सभा को संबोधित कर रहे थे तब भाजपा कार्यकर्ताओं ने कुछ नहीं कहा। उन्होंने कहा, ''जब मुख्यमंत्री बोलने के लिए खड़े हुए, तो उन्होंने उन्हें काला झंडा दिखाया और प्रदर्शन किया।'' परमेश्वर ने कहा कि उन्होंने पुलिस महानिदेशक से यह पता लगाने को कहा है कि क्या कोई चूक हुई है। भाजपा द्वारा सुरक्षा में चूक के आरोप पर परमेश्वर ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को कांग्रेस की शॉल पहनकर नहीं, बल्कि अपनी पार्टी की शॉल पहनकर कार्यक्रम स्थल पर आना चाहिए था। उन्होंने कहा कि अगर वे भाजपा की शॉल पहनकर कार्यक्रम स्थल पर आते, तो पुलिस को पता चल जाता कि सुरक्षा में चूक हुई है। उन्होंने जानना चाहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को कांग्रेस की शॉल पहनने का क्या नैतिक अधिकार है? इस घटना ने भाजपा को मुख्यमंत्री पर निशाना साधने का मौका दे दिया। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में भाजपा ने कहा, ''ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी पर हाथ उठाना सिर्फ एक व्यक्ति पर हमला नहीं है।

वायुसेना के कमांड अस्पताल में नए परिसर की आधारशिला रखी गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वायुसेना के कमांड अस्पताल में मंगलवार को एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल नागेश कपूर की मौजूदगी में नए बहुमंजिला अस्पताल परिसर की आधारशिला रखी गई और भूमिपूजन हुआ। इस अवसर पर वायुसेना मुख्यालय से महानिदेशक चिकित्सा सेवाएं (वायु) एयर मार्शल संदीप थरेजा भी मौजूद थे। बताया गया कि सीएचएएफबी का मौजूदा स्ट्रक्चर 157 साल पुराना है। यहां लगभग 3 लाख मरीजों की ओपीडी है, जिसमें सालाना 21,000 मरीज भर्ती होते हैं। बढ़ते कार्यभार के साथ ही स्वास्थ्य सेवा टेक्नोलॉजी में तेज प्रगति को शामिल करने और भविष्य में विस्तार की पर्याप्त गुंजाइश के साथ आधुनिक बुनियादी ढांचे की जरूरत है।

प्रोजेक्ट पूरा होने पर यह 800 बिस्तरों वाली अत्याधुनिक सुविधा होगी। इसमें 16 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, आधुनिक आईसीयू, उन्नत इमेजिंग सहित उच्च स्तरीय डायग्नोस्टिक सेवाएं और न्यूमेटिक सिस्टम के साथ प्रयोगशाला सुविधाएं होंगी। स्मार्ट भवन प्रबंधन प्रणाली और ऑप्स रूम कुशल प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, ऊर्जा खपत, बुनियादी ढांचे के प्रभावी प्रबंधन और स्मार्ट जलवायु नियंत्रण की निगरानी के जरिए स्वास्थ्य सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

अस्पताल के शानदार डिजाइन घटक, जैसे निचली मंजिलों पर ओपीडी, विशाल लिफ्ट और एस्केलेटर, दिव्यांगों सहित रोगियों के लिए सुविधाजनक पहुंच उपलब्ध कराएंगे। डिजिटलीकरण और एकीकृत अस्पताल सूचना प्रणाली से मरीजों के इंतजार का समय कम हो जाएगा। राष्ट्रीय हरित भवन मानकों के अनुरूप, यह सुविधा गृह 3-स्टार मानदंडों का पालन करेगी, जिसमें वर्षा जल संचयन प्रणाली, एक मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा उत्पादन और उच्च क्षमता वाला अपशिष्ट उपचार संयंत्र शामिल होगा, जो टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान देगा।

सेवारत कार्मिकों और सेवानिवृत्त सैनिकों सहित सशस्त्र बलों के परिवारों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा देने में काफी सहायता के अलावा, नया अस्पताल परिसर सशस्त्र बलों के भीतर चिकित्सा प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में भी काम करेगा। यह आत्मनिर्भर भारत' का एक शानदार प्रतीक होगा, जो पूरी तरह से स्वदेशी विशेषज्ञता के साथ डिजाइन, योजनाबद्ध और निर्मित होगा। एओसी-इन-सी का स्वागत सीएचएएफ के कमांडेंट एयर वाइस मार्शल कौशिक चटर्जी ने किया। इस अवसर पर एचक्यूटीसी के वरिष्ठ वायु स्टाफ अधिकारी एयर मार्शल तेजबीर सिंह, वरिष्ठ वायु स्टाफ अधिकारी एयर वाइस मार्शल पीसीपी आनंद, वरिष्ठ प्रभारी अधिकारी प्रशासन और एयर वाइस मार्शल रेणुका कुंटे, प्रशिक्षण कमान से प्रधान चिकित्सा अधिकारी तथा अस्पताल के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

सुविचार

दुनिया से धोखा मिलने के बाद ही, लोगों को अपने परिवार पर भरोसा होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रचार की ऐसी लालसा क्यों?

नादान दोस्त अक्लमंद दुश्मन से ज्यादा खतरनाक होता है। इस कहावत को एक बार फिर सच साबित किया है उन कथित बुद्धिजीवियों ने, जो इन दिनों थोड़ा-सा प्रचार पाने के लिए पाकिस्तान के दुलारे बनने को आमादा हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद देशवासियों को एकजुटता दिखानी चाहिए, ज़्यादातर लोग ऐसा कर भी रहे हैं। वहीं, कुछ लोग ऐसी बयानबाजी पर उतर आए हैं, जिससे दुश्मन को तालियां बजाने का मौका मिल रहा है। पहलगाम हमला क्यों हुआ, कैसे हुआ, कहां गलती हुई, क्या सुधार करना चाहिए, कौन जिम्मेदार है – जैसे सवालों के जवाब देशवासी जानना चाहते हैं। याद रखें, यह समय एक-दूसरे पर निशाना साधने का नहीं है। सवालों के जवाब लिए जाएंगे, जिम्मेदारियां भी तय की जाएंगी। उसके लिए समय आएगा। अभी हमें एकजुट होकर अडिग रहना है। हमें पहलगाम हमले के गुनहगारों से हिसाब लेना है। एक ओर भारत सरकार पाकिस्तान के भ्रामक व भड़काऊ यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगा रही है, दूसरी ओर हमारे ही कुछ 'तेजस्वी' लोग बेसिर-पैर की बातें कर पाकिस्तानी मीडिया से वाहवाही बटोर रहे हैं। एक कथित किसान नेता सिंधु जल संधि को स्थगित करने के सरकार के फैसले पर आपत्ति जता रहे हैं! उनका मानना है कि इससे पड़ोसी देश के आम लोग, खासकर किसान प्रभावित होंगे। क्या खून और पानी एकसाथ बहते रहने चाहिएं? इन्हें पाकिस्तान के किसानों की इतनी चिंता है, वे हमारे देशवासियों की सुरक्षा के लिए कितने चिंतित हैं? पाकिस्तान में कितने किसानों ने आतंकवादियों के खिलाफ जुलूस निकाला?

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री, सेना प्रमुख, रक्षा मंत्री से लेकर तमाम नेता भारत को धमकियां दे रहे हैं। क्या शांति की जिम्मेदारी अकेले भारत की है? इन पड़ोसियों के तेवर देखें। इतनी बड़ी घटना हो गई, लेकिन इन्हें कोई अफसोस नहीं, पछतावा नहीं, शर्म नहीं! भारत में एक कथित गायिका ने सोशल मीडिया पर ऐसी पोस्ट डाली कि पूरे पाकिस्तान में उसके चर्चे होने लगे। जर्मनी में रहने वाले भारतीय मूल के एक यूट्यूबर को पाकिस्तानी चैनल किसी विशेषज्ञ की तरह पेश करते हुए कह रहे हैं- 'मोदी से पूछो कि मुल्क की हिफ़ाज़त की ज़िम्मेदारी किसकी है?' इन लोगों ने पाकिस्तानी मीडिया को हमलावर होने का मौका दे दिया। पहले, वहां खलबली मची हुई थी कि भारत की ओर से किसी भी समय सख्त कार्रवाई हो सकती है। अब वहां खुशी का माहौल है। पाकिस्तान के एक मशहूर पत्रकार ने पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों की धार्मिक पहचान पूछकर की गई गोलीबारी को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने जो कुतर्क दिए, उनकी सामग्री इन्हीं कथित बुद्धिजीवियों से मिली होगी। एक सेवानिवृत्त जज अपने एक्स अकाउंट पर जो चीजें पोस्ट कर रहे हैं, उससे पाकिस्तानी मीडिया को खूब मसाला मिल गया है। पाकिस्तानियों को पहलगाम हमले के बाद अपना बचाव करने के लिए शब्द नहीं मिल रहे थे। उक्त जज साहब ने यह कहते हुए उनका काम आसान कर दिया- 'भारतीय मीडिया ... हो गया है। पहलगाम में हिंदू पर्यटकों पर हमले के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहरा रहा है और पाकिस्तान पर हमले की मांग कर रहा है, ठीक वैसे ही जैसे जब बलोच आतंकवादियों द्वारा ट्रेन पर हमला किया गया था तो पाकिस्तानी मीडिया ... हो गया था और भारत को दोषी ठहरा रहा था।' न जाने क्यों कुछ लोगों को पाकिस्तान में प्रचार पाने की ऐसी लालसा होती है! अगर वे इतनी ऊर्जा आतंकवाद का विरोध करने में लगाते तो भारत की आवाज और बुलंद होती। खैर, इतिहास इनसे भी सवाल करेगा। भारतवासियों ने अपनी एकता और दृढ़ संकल्प के बल पर कई मुश्किलों को पार किया है। आज कुछ लोगों के शब्दों से दुश्मन को खुशी होती है तो होती रहे। हम उसे हराएंगे, आतंकवाद को भी मिटाएंगे।

ट्वीटर टॉक

पद्म सम्मान ग्रहण करने वाली सभी विभूतियों को मैं प्रणाम करता हूँ। आपने अपनी प्रतिभा को उस शीर्ष पर पहुंचाया है। आपको बधाई देना भी आत्म गौरव का विषय है। अब पद्म पुरस्कार समाज में बदलाव लाने वाले व्यक्तित्वों का अलंकार बन गए हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

सभी को भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ। तप, त्याग और तेजस्विता की प्रतिमूर्ति प्रभु परशुराम जी का जीवन मानवता और स्वधर्म की रक्षा का प्रतीक है। प्रभु से सभी के कल्याण की कामना करता हूँ।

-अमित शाह

आज मुख्यमंत्री निवास पर माननीय केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल जी की गरिमामय उपस्थिति में ऊर्जा विभाग एवं नगरीय विकास विभाग के अधिकारियों के साथ राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक ली।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

बर्ड वुमैन ऑफ इंडिया

वह हमेशा पक्षियों को निहारती रहती थी। एक दिन उसका विवाह हुआ और एक प्यारी-सी बिटिया भी हुई। ससुराल की परेशानियों से तंग आकर, वह अपनी बेटी के साथ अपने चचेरे भाई के पास चली गई, जो वन विभाग में अधिकारी था। वहां रांची और पलामू के आसपास के जंगलों में मां-बेटी को अनगिनत पक्षियों की चहचहाहट और उड़ान के अद्भुत दृश्य देखने का मौका मिला।धीरे-धीरे उसकी मुलाकात एक अंग्रेज अधिकारी की पत्नी से हुई, जो वहां रहती थी। उस महिला ने उसे प्रेरित किया और कहा, 'तुम हमेशा पक्षियों को देखती रहती हो, क्यों न इसे कहीं दर्ज किया जाए? लिखने से तुम्हारी अंग्रेजी भी बेहतर हो जाएगी।' इस प्रेरणा से, उसने 21 साल की उम्र में पक्षियों के बारे में लिखना शुरू किया। उसकी लिखी सामग्री एक दिन देश की प्रसिद्ध पर्यावरण पत्रिका में प्रकाशित हुई। जब उसने अपने नाम के साथ 'पक्षी प्रेमी' पढ़ा, तो वह अत्यधिक भाव-विभोर हो गई। 1949 में उसने नियमित रूप से लिखना शुरू किया और अब तक 60 से अधिक शोध पत्र लिखे। उसकी यही विशेषता उसे अमेरिका और अन्य देशों तक ले गई।

सामयिक

शुभ कार्य करने का अबूझ मुहूर्त है अक्षय तृतीया

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

प्रत्येक वर्ष वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को 'अक्षय तृतीया' पर्व मनाया जाता है, जो इस वर्ष 30 अप्रैल को मनाया जा रहा है। अक्षय तृतीया की शुरुआत 29 अप्रैल की शाम पांच बजकर 31 मिनट पर हो रही है, जो 30 अप्रैल की दोपहर दो बजकर 12 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में उदया तिथि को ध्यान में रखते हुए अक्षय तृतीया की पूजा और खरीदारी करना 30 अप्रैल को ही सबसे शुभ है। अक्षय तृतीया की पूजा के लिए 30 अप्रैल को प्रातः पांच बजकर 41 मिनट से दोपहर 12 बजकर 18 मिनट तक का समय बहुत शुभ है। मांगलिक कार्यों के लिए अक्षय तृतीया पर्व को हिन्दू धर्म में बहुत शुभ माना गया है। मान्यता है कि इस दिन स्वयंसिद्ध योग होते हैं और बिना मुहूर्त निकलवाए कोई भी शुभ कार्य आयोजित किया जा सकता है। यह पर्व आस्था, परंपरा और अध्यात्म का संगम है। सनातन धर्मानुसार, वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को 'अक्षय तृतीया' या 'आखा तीज' कहते हैं।

पौराणिक शास्त्रानुसार, अक्षय तृतीया विवाह और अन्य शुभ कार्यों के लिए स्वयंसिद्ध मुहूर्त माना जाता है। इस दिन किए गए शुभ कार्य, दान, उपवास और व्रत का अक्षय फल अर्थात संपूर्ण फल मिलता है। मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन स्वयंसिद्ध योग होते हैं और इस दिन बिना मुहूर्त निकलवाए कोई भी शुभ कार्य सम्पन्न किया जा सकता है, इसीलिए लोग बिना पंचांग देखे अक्षय तृतीया के दिन विवाह, गृह प्रवेश, नया व्यापार, धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-पाठ, घर, भूखंड या नए वाहन आदि की खरीदारी करते हैं। मान्यताओं के अनुसार, इसी तृतीया तिथि को माता पार्वती ने अमोघ फल देने की सामर्थ्य का आशीर्वाद दिया था, जिसके प्रभाव से अक्षय तृतीया के दिन किया गया कोई भी कार्य निष्फल नहीं होता। पुराणों के अनुसार, इस दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान, दान, जप व स्वाध्याय करना शुभ फलदायी होता है।

भविष्यपुराण के अनुसार, अक्षय तृतीया को युगादि तिथि माना गया है, यानी इसी तिथि से सतयुग व त्रेतायुग का प्रारंभ हुआ था। भगवान विष्णु के तीन अवतारों, नर-नारायण, हयग्रीव और परशुराम का अवतरण भी इसी तिथि को हुआ था। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस वर्ष अक्षय तृतीया पर बहुत से शुभ योग बन रहे हैं। इन योग में लक्ष्मी पूजा करने से धन वृद्धि होती है। अक्षय तृतीया के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है, जो बहुत खास है। इसके अतिरिक्त, जो अन्य शुभ योग बनने वाले हैं, उनमें शोभन योग दोपहर 12 बजकर दो मिनट तक रहेगा। रवि योग शाम को चार बजकर 18 मिनट से शुरू होकर पूरी रात रहने वाला है। इस दिन सोना खरीदना बहुत शुभ माना गया है। अक्षय तृतीया तिथि संपूर्ण पापों का नाश करने वाली और समस्त सुख प्रदान करने वाली मानी गई है। विभिन्न शास्त्रों के अनुसार, इस दिन हवन, जप, दान, स्वाध्याय, तर्पण इत्यादि जो भी कर्म किए जाते हैं, वे सब अक्षय हो जाते हैं।

मान्यता है कि द्वापर युग इसी तिथि को समाप्त हुआ था, जबकि त्रेता, सतयुग और कलियुग का आरंभ इसी तिथि को हुआ था, इसीलिए इसे कृतयुगादि तृतीया' भी कहा जाता है। भारत में कई स्थानों पर अक्षय तृतीया को आखा तीज' के नाम से भी जाना जाता है। भविष्य पुराण के अनुसार, इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है।

इस तिथि की अधिष्ठात्री देवी पार्वती मानी गई हैं और इस दिन मां लक्ष्मी की भी विधिवत पूजा की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, पृथ्वी पर देवताओं ने 24 रूपों में अवतार लिया था, जिनमें छठा अवतार भगवान परशुराम का था, जिनका जन्म अक्षय तृतीया के ही दिन हुआ था। ब्रह्मा के पुत्र अक्षय कुमार का प्राकट्य भी इसी दिन हुआ माना जाता है। भगवान विष्णु के चरणों से गंगा भी इसी दिन धरती पर अवतरित हुई थी। इस पर्व को लेकर लोक धारणा है कि इस तिथि को यदि चंद्रमा के अस्त होते समय रोहिणी आगे होगी तो फसल अच्छी होगी।

विशेष

शास्त्र और शस्त्र के अनूठे समन्वयक भगवान परशुराम

पूनम नेगी

अक्षय तृतीया की पावन तिथि को इस धराधाम पर अवतरित भगवान परशुराम ऐसी अमर विभूति हैं, जिनके प्रतिपादित सिद्धांत आज भी अपनी प्रासंगिकता रखते हैं। भगवान परशुराम की मान्यता थी कि स्वस्थ समाज की संरचना के लिए ब्रह्मशक्ति और शस्त्र शक्ति दोनों का समन्वय आवश्यक है। पौराणिक मान्यता के अनुसार सनातन हिन्दू धर्म के अष्ट चिरंजीवियों (अश्वत्थामा, राजा बलि, महर्षि वेदव्यास, हनुमान, विभीषण, कृपाचार्य, भगवान परशुराम तथा ऋषि मार्कण्डेय) में महर्षि परशुराम को भगवान विष्णु का छठा अवतार माना जाता है।

भृगुकुल शिरोमणि परशुराम जी ऋषियों के ओज और क्षत्रियों के तेज दोनों का अद्भुत संगम माने जाते हैं, क्योंकि ब्राह्मण कुल में जन्मे पिता ऋषि जमदग्नि व क्षत्रिय कुल की राजकन्या माता रेणुका दोनों ही विलक्षण गुणों से सम्पन्न थे। जहां जमदग्नि जी को आग पर नियंत्रण पाने का वरदान प्राप्त था, वहीं माता रेणुका को पानी पर नियंत्रण पाने का। माँ व पिता दोनों के इन दैवीय गुणों के साथ ऋषि दम्पति की पांचवी संतान के रूप में बैसाख माह की पावन अक्षय तृतीया तिथि को परशुराम का जन्म हुआ। बहुत कम आयु में उन्होंने पिता से धनुर्विद्या सीख ली थी। उनका बचपन का नाम राम था जो कलान्तर में महादेव से परशु प्राप्त होने के बाद परशुराम हो गया। कथानक है कि महादेव शिव के प्रति विशेष श्रद्धा भाव के चलते एक बार बालक राम भगवान शंकर की आराधना करने कैलास जा पहुंचे। वहां देवाधिदेव महादेव ने उनकी भक्ति और शक्ति की परीक्षा लेकर उन्हें उपहार स्वरूप अनेक अस्त्र-शस्त्रों सहित दिव्य परशु भी प्रदान किया। उस अमोघ परशु धारण करने के बाद बालक राम परशुराम ने नाम से विख्यात हो गये। दक्षिण भारत की लोककथाओं में उल्लेख मिलता है कि परशुराम जी पशु-पक्षियों की भाषा व उनके व्यवहार समझते थे और उनसे बात कर सकते थे। इसी कारण खूंखार वन्य जीव उनके स्पर्श मात्र से ही उनके मित्र बन जाते थे।

परशुराम जी का समूचा जीवन अनुपम प्रेरणाओं व उपलब्धियों से भरा हुआ है। वे न सिर्फ ब्रह्मास्त्र समेत विभिन्न दिव्यास्त्रों के संचालन में पारंगत थे अपितु योग, वेद और नीति तथा तंत्र कर्म में भी निष्णात थे। इन्हें श्रेष्ठ मानवीय मूल्यों का प्रतिष्ठाता माना गया है। उनकी मान्यता थी कि राजा का धर्म वैदिक जीवन का प्रसार करना है न कि अपनी प्रजा से आज्ञापालन करवाना। अन्याय के विरुद्ध आवेशपूर्ण आक्रामकता के विशिष्ट गुण के कारण उन्हें भगवान विष्णु के आवेशावतार' की संज्ञा दी गयी है। दुनिया भर में शस्त्रविद्या के महान गुरु के नाम से विख्यात भगवान परशुराम ने महाभारत युग में भी अपने ज्ञान से कई महारथियों को शस्त्र विद्या प्रदान की थी। उन्होंने भीष्म पितामाह, द्रोणाचार्य व कर्ण को भी विद्या देकर एक महान योद्धा बनाया था। शस्त्र विद्या के इस महारथी को केरल की मार्शल आर्ट कलरीपायट्टु की उत्तरी शैली वदक्कन कलरी' का संस्थापक आचार्य एवं आदि गुरु माना जाता है। वदक्कन कलरी अस्त्र-शस्त्रों की प्रमुखता वाली शैली है।

जिस प्रकार देवनदी गंगा को धरती पर लाने का श्रेय राजा भगीरथ को जाता है ठीक उसी प्रकार पहले ब्रह्मकुंड (परशुराम कुंड) से और फिर लौहकुंड (प्रभु कुठार) पर हिमालय को काटकर ब्रह्मपुत्र जैसे उग्र महानद को धरती पर लाने का श्रेय परशुराम जी को ही जाता है। इसी तरह अपने पिता जमदग्नि की आज्ञा से वे गंगा की सहयोगी नदी रामगंगा को धरती पर लाये थे। पौराणिक उद्धरणों के अनुसार केरल, कन्याकुमारी व रामेश्वरम की संस्थापना भगवान परशुराम ने ही की थी। जिस स्थान पर उन्होंने तपस्या की थी, वह स्थान आज तिरुवनंतपुरम के नाम से प्रसिद्ध है। केरल में आज भी पुरोहित वर्ग संकल्प मंत्र में परशुराम क्षेत्र का उच्चारण कर उक्त समूचे क्षेत्र को परशुराम की धरती की मान्यता देता है। गोमांतक (गोवा) को भी परशुराम जी का कार्य क्षेत्र कहा जाता है। ब्राह्मण की परंपरा के अनुसार परशुराम जी बिहार के तिरहुत से दस परिवारों को लेकर आए और उन्हें आधुनिक गोवा के नाम से मशहूर गोकर्ण में बसाया था।

हिमालय में फूलों की घाटी मुनस्यारी को बसाने का श्रेय भी परशुराम जी को ही जाता है। यही नहीं, हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और शुभ मानी जाने वाली कांवड़ यात्रा का शुभारंभ परशुराम जी ने सबसे पहले शिवजी को कांवड़ से जल चढ़ाकर किया था। गौरतलब हो कि अंत्योदय की बुनियाद भी परशुराम जी ने ही डाली थी। समाज सुधार और समाज के शोषित-पीड़ित वर्ग को कृषिकर्म से जोड़कर उन्हें स्वावलंबन का पाठ पढ़ाने में भी परशुराम जी की महती भूमिका रही है। अपने पितामह महर्षि ऋचीक के कहने पर उन्होंने केरल, कोंकण मालाबार और कच्छ क्षेत्र में समुद्र में डूबी ऐसी भूमि को बाहर निकाला जो खेती योग्य थी। - पांचजन्य से साभार

नजरिया

पराक्रम के प्रतीक थे भगवान परशुराम

ऋतुपर्ण दवे

मोबाइल : 9302640933

दरअसल धर्म को सरल और बेहद कम शब्दों में इस तरह भी समझा कि समाज द्वारा स्वीकृत वो मान्यताएं हैं जिस पर चल कर मनुष्य कितना भी शक्तिशाली हो जाए किसी दूसरे का अहित नहीं कर सकता है तथा संतुलित व मर्यादित रहता है। वह धर्मनीति ही है जो मानवता का बोध कराने, अत्याचार, अनाचार, साधु-संतों के उत्थान के लिए भगवान का अनेकों रूप बनवाती है ताकि दुष्टों का संहार, विश्व कल्याण के साथ धर्म जो मनुष्य को उसकी सीमाओं में रखता है की रक्षा की जा सके। भगवान परशुराम ऐसे ही धर्मपरायण थे जो क्रोध के वशीभूत होकर अनाचारियों के लिए किसी काल से कम न थे। परशुराम ही इतिहास के पहले ऐसा महापुरुष हैं जिन्होंने किसी राजा को दंड देने के लिए दूसरे राजाओं को भी सबक सिखा नई राजव्यवस्था बनाई जिससे हा-हाकार मच गया। परशुराम की विजय के बाद संचालन सही ढ़ंग से न होने से अपराध और हाहाकार की स्थिति बनी। उससे घबराए ऋषियों ने तपोभूमि से साधना लीन दत्तात्रेयजी को उठा पूरा वृत्तान्त बताया। उनके साथ जाकर कपिल और कश्यप मुनि ने परशुराम को समझाया। पहले तो समझ नहीं आया लेकिन कई वर्षों के क्रोध के बाद जब परशुराम कुछ शांत हुए तो उन्हें समझ आया और अपने कृत्यों पर पश्चाताप करने लगे। परशुराम को, मुनि दत्तात्रेय, कपिल और कश्यप ने इसके लिए बहुत धिक्कारा। ग्लानि में डूबे परशुराम ने संगम तट पर सारे जीते हुए राज्य

कश्यप मुनि को दान दे दिया और स्वयं महेन्द्र पर्वत चले गए उसके बाद राजकाज की दोबारा सुचारू शासन व्यवस्था संचालित हो पाई।

भगवान परशुराम को पराक्रम का प्रतीक माना जाता है। उन्हें राम का पर्याय और सत्य सनातन माना जाता है जिनका जन्म 6 उच्च ग्रहों के योग में हुआ। ग्रहों के प्रभाव से वो तेजस्वी, ओजस्वी और वर्चस्वी बने। महाप्रतापी व माता-पिता भक्त परशुराम ने जहां पिता की आज्ञा से माता का गला काट दिया वहीं पिता से माता को जीवित करने का वरदान भी मांग लिया। इस तरह हठी, क्रोधी और अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने वाले परशुराम का लक्ष्य मानव मात्र का हित था। वो परशुरामजी ही थे जिनके इशारों पर नदियों की दिशा बदल जाया करतीं थीं। उन्होंने अपने बल से आर्यों के शत्रुओं का नाश किया, हिमालय के उत्तरी भू-भाग, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, कश्यप भूमि और अरब में जाकर शत्रुओं का संहार किया। उसी फारस जिसे पार्शिया भी कहा जाता था का नाम इनके फरसे पर ही किया गया। इन्होंने भारतीय संस्कृति को आर्यन यानी ईरान के कश्यप भूमि क्षेत्र और आर्यक यानी इराक में नई पहचान दिलाई। गौरतलब है कि पार्शियन भाषी पार्शिया परशुराम के अनुयायी और अग्निपूजक कहलाते हैं और परशुराम से इनका संबंध जोड़ा जाता है। अब तक भगवान परशुराम पर जितने भी साहित्य प्रकाशित हुए हैं उनसे पता चलता है कि मुंबई से कन्याकुमारी तक के क्षेत्रों को 8 कोणों में बांटकर परशुराम ने प्रान्त बना कर इसकी रक्षा की प्रतिज्ञा भी की। अयोध्या, मिथिला, काशी, कान्यकुब्ज, कनेर, बिंग के साथ ही कहते हैं कि पूर्व के प्रान्तों में मगध और वैशाली भी महासंघ में शामिल थे जिसका नेतृत्व भगवान परशुराम ने ही किया। दूसरी ओर हैहयों के साथ आज के सिन्ध, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, पंजाब, लाहौर, अफगानिस्तान, कंधार, ईरान, ट्रांस-ऑक्सियाना तक फैले 21 राज्यों के राजाओं से युध्द तक किया। सभी 21 अत्याचारी राजाओं और उनके उत्तराधिकारियों तक का परशुराम ने विनाश भी किया जिससे दोबारा कोई सिर न उठा सके।

केरल प्रदेश को बसाने वाले परशुराम ही थे। एक शोध के अनुसार परशुराम में ब्रम्हा की सृजन शक्ति, विष्णु की पालन शक्ति व शिव की संहार शक्ति विद्यमान थी जिससे त्रिवंत कहलाए। उनकी तपस्या स्थली आज भी तिरुवनंतपुरम के नाम से प्रसिध्द है जो अब केरल की राजधानी है। केरल, कन्याकुमारी और रामेश्वरम के संस्थापक भगवान परशुराम की केरल में नियमित पूजा होती है। यहां के पंडित संकल्प मंत्र उच्चारण में समूचे क्षेत्र को परशुराम की पावन भूमि कहते हैं। परशुराम के बारे में पुराणों में लिखा है कि महादेव की कृपा व योग के उच्चतम ज्ञान के सहारे वे अजर, अमर हो गए और आज भी महेंद पर्वत में किसी गुप्त स्थान पर आश्रम में रहते हैं। कई धर्मग्रन्थो में वर्णित नक्षत्रो की गणना से हैहय-परशुराम युद्ध अब से लगभग 16300 साल के पहले का माना जाता है। वहीं कुछ कथाएं यह भी हैं कि कई हिमालय यात्रियों ने परशुराम से भेंट होने की बात भी कही हैं। भगवान परशुराम की यही गाथा है जिसमें अनीति, अत्याचार, छल-प्रपंच का संहार करने की सच्चाई है जो आज भी प्रासंगिक है और युगों-युगों तक रहेगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

यूक्रेन ने रूस पर रिहाइशी इलाकों में ड्रोन हमले करने का आरोप लगाया, पुतिन की घोषणा खारिज की

कीव। रूस ने रात के समय एक बार फिर यूक्रेन में रिहाइशी इलाकों को निशाना बनाकर ड्रोन हमले किए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यूक्रेन के अधिकारियों ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अगले सप्ताह 72 घंटे के एकतरफा संघर्ष विराम की घोषणा को खारिज कर दिया और इसे अमेरिका को धोखा देने का प्रयास बताया। अधिकारियों ने बताया कि रूस के हमलों में यूक्रेन के दक्षिण-पूर्वी द्निप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र में कुछ घर क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों के अनुसार इसके अलावा 12 वर्षीय एक लड़की की मौत हो गई जबकि छह साल के बच्चे समेत तीन लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि रूस ने खारकीव में भी 20 ड्रोन और 31 शक्तिशाली बम से हमला किया। अधिकारियों के अनुसार, एक रूसी ड्रोन को मार गिराया गया और उसके मलबे से राजधानी कीव के एक इलाके में आग लग गई।

मैडमैक्स की ब्रांड एंबेसडर बनीं सनी लियोनी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोनी एनर्जी ड्रिंक मैडमैक्स की ब्रांड एंबेसडर बन गयी है। केनी डिलाइट्स ने एनर्जी ड्रिंक के बाजार में अपना नया प्रोडक्ट मैडमैक्स लॉन्च किया है और इसके लिए सनी लियोनी को ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है। मेघा जैन, जिन्होंने केनी डिलाइट्स की नींव वर्ष 2012 रखी थी, हमेशा से ही लोगों को अच्छी और पौष्टिक चीजें देने में आगे रही हैं। अब मैडमैक्स के साथ, उनकी कंपनी उन नौजवानों और भाग-दौड़ वाली जिंदगी जीने वालों तक पहुंचना चाहती है, जिन्हें तुरंत एनर्जी की ज़रूरत होती है। मेघा जैन ने कहा,सनी लियोनी की पहचान और उनकी ऊर्जा हमारे ब्रांड मूल्यों के साथ पूरी तरह मेल खाती है। हमें विश्वास है कि उनके साथ हमारा यह नया प्रयास पूरे देश में बड़ी पहचान बनाएगा। हमने उनके साथ मुंबई के मड आइलैंड में एक कॉमर्शियल भी शूट किया है।

'उफ्फ ये लव है मुश्किल' में महत्वाकांक्षी वकील कैरी शर्मा का किरदार निभाएंगी आशी सिंह

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री आशी सिंह ,सोनी सब के नये शो 'उफ्फ ये लव है मुश्किल' में महत्वाकांक्षी वकील कैरी शर्मा का किरदार निभाती नजर आयेंगी। सोनी सब अपने दर्शकों के लिए एक बार फिर से ताजा, दिल को छू लेने वाली और मनोरंजक कहानियां लेकर आ रहा है। चैनल का जल्द शुरू होने वाला शो 'उफ्फ ये लव है मुश्किल' भी इसी सिलसिले की अगली कड़ी है, जिसमें हास्य, रोमांस और पारिवारिक ड्रामा का अनोखा मिश्रण देखने को मिलेगा। अपने दमदार अभिनय और सशक्त स्क्रीन प्रेज़ेंस के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री आशी सिंह इस शो में कैरी शर्मा का किरदार निभाती नज़र आएंगी । आशी सिंह ने कहा, जब मैंने पहली बार कैरी के बारे में पढ़ा, मुझे तुरंत एहसास हुआ कि मुझे इस किरदार को निभाना चाहिए।

कैरी एक ऐसा किरदार है जो अपने परिवार को संभाल रही है, पार्ट-टाइम काम कर रही है और पढ़ाई में भी अव्वल है। वह लॉ की फाइनल ईयर की छात्रा है और एक वकील बनने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वह सही के लिए खड़ी होती है और कभी भी खुद या दूसरों के लिए आवाज़ उठाने से पीछे नहीं हटती, खासकर तब जब उसे बिना मांगे सलाह दी जाए। यह बात मुझे बेहद प्रेरणादायक लगी। इस शो की दिलचस्प और हटकर लव स्टोरी भी मुझे बहुत उत्साहित कर रही है। एक कलाकार के रूप में मैं हमेशा ऐसे किरदारों की तलाश में रहती हूं जो मुझे चुनौती दें, और कैरी मेरे लिए वही कर रही है।

मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने कनाडा का संघीय चुनाव जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोरंटो। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने देश के संघीय चुनाव में जीत हासिल की। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कनाडा के अमेरिका में विलय की धमकियों और व्यापार युद्ध ने लिबरल पार्टी की इस जीत में अहम भूमिका निभाई। 'कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन' के अनुसार कार्नी के प्रतिद्वंद्वी कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोलिवरे अपनी सीट हार गए। सोमवार को हुए चुनाव में ओटावा जिले का प्रतिनिधित्व करने वाली सीट पर हार से पोलिवरे का भविष्य दांव पर लग गया।

पोलिवरे को कुछ महीने पहले कनाडा के अगले प्रधानमंत्री के तौर पर देखा जा रहा था। माना जा रहा था कि वह एक दशक में पहली बार कंजर्वेटिव पार्टी को सत्ता तक पहुंचा देंगे।

वरिष्ठ नेता पोलिवरे ने ट्रंप के 'अमेरिका फर्स्ट' नारे से प्रेरणा लेते हुए 'कनाडा फर्स्ट' का नारा दिया। लेकिन, ट्रंप की नीतियों से उनकी समानताओं ने अंततः उन्हें और उनकी पार्टी को नुकसान पहुंचाया।

शुरुआती रुझानों के आधार पर अनुमान जताया गया कि लिबरल पार्टी संसद की 343 सीट में से कंजर्वेटिव पार्टी से ज्यादा सीट जीतेगी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि लिबरल पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिलेगा या नहीं। बहुमत के लिए 172 सीटें चाहिए।

बहुमत नहीं मिलने की स्थिति में लिबरल पार्टी को विधेयक पारित कराने और सत्ता में बने रहने के लिए छोटे दलों के साथ की जरूरत होगी। मतगणना के अंतिम रुझान के अनुसार लिबरल पार्टी 168 सीट पर बढ़त बनाए हुए है या जीत चुकी है।

कार्नी ने संघीय चुनाव में लिबरल पार्टी की जीत के बाद अपने संबोधन में अमेरिका की धमकियों के सामने एकजुटता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से कनाडा और अमेरिका ने जो पारस्परिक रूप से लाभकारी प्रणाली साझा की थी, वह समाप्त हो गई है। उन्होंने कहा, ''हम अमेरिकी विश्वासघात के सदमे से उबर चुके हैं, लेकिन हमें उससे मिले सबक कभी नहीं भूलने चाहिए।''

कार्नी ने कहा, ''जैसा कि मैं महीनों से आगाह कर रहा हूं कि अमेरिका हमारी जमीन, हमारे संसाधन, हमारा पानी, हमारा देश चाहता है।'' उन्होंने कहा, ''ये बेकार की धमकियां नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप हमें तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि अमेरिका हम पर कब्जा कर सके। ऐसा कभी नहीं होगा...कभी नहीं होगा। लेकिन हमें इस वास्तविकता को भी पहचानना होगा कि हमारी दुनिया मूल रूप से बदल गई है।''

पोलिवरे को उम्मीद थी कि चुनाव पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के लिए जनादेश होगा, जिनकी लोकप्रियता उनके कार्यकाल के अंतिम दिनों में खाद्य पदार्थों और आवास की कीमतों में वृद्धि के कारण कम हो गई थी।

अवैध कब्जा

अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) ने गुजरात के अहमदाबाद में चंदोला झील के पास अवैध बस्तियों को बुलडोजर से गिराया गया।

टीवी पर वापसी करने जा रहीं पद्मिनी कोल्हापुरे, 'राजमाता' के किरदार में आएंगी नजर

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक फिल्म देने वाली बीते जमाने की मशहूर अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे 11 साल बाद छोटे पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। पद्मिनी 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' में राजमाता की भूमिका में नजर आएंगी। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के साथ अपने टीवी सफर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री ने उसी चैनल पर वापसी को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। उन्होंने बताया कि राजमाता के रूप में उनकी भूमिका न केवल किरदार की गहराई के कारण खास है, बल्कि चुनौतियों से भी भरी है। वह राजमाता के ऐसे किरदार में दिखेंगी, जो शांत होने के साथ ही मजबूत भी है। टेलीविजन पर वापसी को लेकर उत्साहित पद्मिनी कोल्हापुरे ने कहा, चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान की दुनिया में कदम रखना मेरे लिए बेहद खास है, न केवल इसलिए कि मैं इसमें दमदार भूमिका निभा रही हूं, बल्कि

इसलिए भी कि यह लगभग 11 वर्षों के बाद टेलीविजन पर मेरी वापसी है। टेलीविजन पर मेरा सफर सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के साथ शुरू हुआ था और अब, इतने सालों के बाद मैं उसी चैनल पर एक ऐसी भूमिका के साथ लौट रही हूं, जो चुनौतीपूर्ण और संतोषजनक दोनों है।

उन्होंने कहा, जब मुझे राजमाता की भूमिका के लिए ऑफर मिला तो मुझे इससे जुड़ाव महसूस हुआ। ऐसी भूमिका मिलना दुर्लभ है, जिसमें इतनी गहराई हो। वह सिर्फ एक रानी या मां नहीं है, वह राज्य की आत्मा हैं। राजमाता की भूमिका निभाना उन सभी मजबूत महिलाओं को सम्मान देने जैसा है, जिन्होंने पर्दे के पीछे से शांति के साथ देश की मजबूती में अहम भूमिका निभाई। किरदार के बारे में अभिनेत्री ने बताया, पृथ्वीराज के साथ राजमाता का रिश्ता खूबसूरत है। वह उनकी मार्गदर्शक और सहारा हैं। इस तरह के मजबूत किरदार को स्क्रीन पर जीवंत करना सम्मान की बात है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस किरदार के साथ उतनी ही गहराई से जुड़ेंगे, जितनी मैं जुड़ी हूं। 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' ऐतिहासिक टीवी शो है, जो पृथ्वीराज चौहान की यात्रा को दिखाता है। टीवी शो में पद्मिनी कोल्हापुरे के साथ अनुजा साठे, रोनित रॉय और रूमी खान भी अहम भूमिकाओं में हैं। शो का प्रीमियर जल्द ही सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर होगा।

मुलाकात

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को इंदौर में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया से मुलाकात की।

अंबेडकर के देहावसान के बाद भी उनके प्रति नेहरू की 'दुश्मनी' कायम रही : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने देश के प्रति डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान को कांग्रेस द्वारा नकारने का प्रयास किए जाने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के मन में संविधान निर्माता को लेकर दुश्मनी का भाव उनके निधन के बाद भी कायम रहा।

यादव ने यह बयान ऐसे वक्त दिया, जब अंबेडकर की जन्मस्थली मध्यप्रदेश में उनकी विरासत को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच सियासी जंग लगातार तेज हो रही है।

प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने ग्वालियर में सोमवार को 'संविधान बचाओ रैली' आयोजित की थी, जिसमें वह सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ सामाजिक न्याय के मुद्दे को धार देती नजर आई थी।

मुख्यमंत्री यादव ने भाजपा के ''डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान'' के तहत इंदौर में आयोजित संगोष्ठी में कहा, ''अंबेडकर ने जाति व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष करके अपने जीवन में ऊंचा मुकाम हासिल किया था जिससे नेहरू घबरा गए। नेहरू अपने पिता की विरासत के बलबूते पर आगे बढ़े थे, लेकिन वह भारत की जड़ों से नहीं जुड़े थे।'' उन्होंने आरोप लगाया कि अंबेडकर के जीते जी नेहरू के मन में उन्हें लेकर बुरा भाव था और संविधान निर्माता के देहावसान के बाद भी उनके प्रति नेहरू की यह 'दुश्मनी'' कायम रही। मुख्यमंत्री ने कहा,''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू ने पूरी ताकत लगाकर अंबेडकर को अलग-अलग चुनावों में हरवाया। अंबेडकर ने नई दिल्ली में अपना शरीर त्यागा, लेकिन नेहरू ने राष्ट्रीय राजधानी में उनके दाह संस्कार की अनुमति नहीं दी।'' उन्होंने यह दावा भी किया कि अंबेडकर का पार्थिव शरीर दाह संस्कार के लिए जिस विमान से मुंबई ले जाया गया, उसका किराया चुकाने के लिए संविधान निर्माता की विधवा को बिल थमा दिया गया। यादव ने कहा,''चुनावों में अंबेडकर का नाम लेकर वोट मांगने से पहले कांग्रेस को अपने वे सब पाप याद करने चाहिए जो उसने अतीत में उनके साथ अन्याय के रूप में किए थे। कांग्रेस को इन पापों के लिए माफी मांगनी चाहिए।''

दिल और दिमाग के लिए बेस्ट है 'ओम' का उच्चारण : भाग्यश्री

मुंबई/एजेन्सी

भाग्यश्री स्वास्थ्य को लेकर खासा एक्टिव रहती हैं। उन्हें न केवल अपने बल्कि प्रशंसकों के स्वास्थ्य की भी चिंता रहती है। सोशल मीडिया पर 'मंगलवार हेल्थ टिप्स' पोस्ट को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि दिल और दिमाग के लिए ओम का उच्चारण फायदेमंद होता है। यह तनाव को दूर करने के साथ ही फेफड़े और दिल को भी स्वस्थ रखता है। इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए भाग्यश्री ने कैप्शन में लिखा, ओम! जागृति की ध्वनि है। ओम का वाइब्रेशन आपके तंत्रिका तंत्र, चक्रों, आपके शरीर के न्यूरॉन को खोलने का सही तरीका है। ब्रह्मांड में भेजे गए इस शब्द के कंपन से स्थिरता, शांति और फोकस आता है। चाहे शरीर की एक्टिविटीज हों या ध्यान, यह सब कुछ एक इसके उच्चारण से आप ला सकते हैं। वहीं, शेयर किए गए वीडियो में भाग्यश्री कहती नजर आईं, अगर आपके इंद्रियों को सुबह से जुड़ना है तो जितने लंबे समय तक आप ओम कह सकते हैं, इसे जरूर कीजिए, उसका सीधा सकारात्मक असर आपके दिल और फेफड़ों पर पड़ता है। भाग्यश्री ने सहजता के साथ प्रक्रिया भी बताई। उन्होंने बताया, ओम का उच्चारण करते हुए धीरे-धीरे सांस लेकर फिर धीरे इसे छोड़ दीजिए, यह प्रक्रिया आपके दिल को स्वस्थ रखती है और स्ट्रेस भी दूर भागता है। यह प्रक्रिया वेगस नर्व के फंक्शन को भी मजबूत करती है।

हमने ऐसा माहौल बनाया है जो बिजनस से ज़्यादा कम्युनिटी जैसा लगता है : कृष्णा श्रॉफ

कश्मीर/एजेन्सी

कृष्णा श्रॉफ वास्तव में एक सच्ची फिटनेस आइकन और एंटरप्रेन्योर हैं। फिटनेस और स्वास्थ्य के प्रति उनकी लगन बेमिसाल है। कृष्णा श्रॉफ और उनके भाई टाइगर श्रॉफ द्वारा स्थापित चच- मैट्रिक्स, भारत में फिटनेस के प्रति नजरिए को बदल रहा है। यह ब्रांड देशभर में उच्च गुणवत्ता वाले फिटनेस सेंटर्स की कमी को पूरा करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। इसकी शुरुआत मुंबई में एक प्रमुख जिम से हुई थी और अब यह पूरे देश में चौदह फ्रेंचाइज़ी तक फैल चुका है, जो इस बात का प्रमाण है कि लोग उनकी विशिष्ट ट्रेनिंग और वेलनेस शैली को कितना पसंद करते हैं।

चच- मैट्रिक्स का मुख्य उद्देश्य बेहतरीन उपकरण और ऐसी प्लेस प्रदान करना है जहाँ लोग वास्तव में प्रेरित होकर व्यायाम कर सकें, और यह भारत में सही दिशा में विस्तार कर रहा है। कृष्णा ने बताया, हम एमएमए मैट्रिक्स के साथ कुछ खास बनाना चाहते थे, एक ऐसी जगह जो आम जिम के अनुभव से कहीं बढ़कर हो। हमारा लक्ष्य है कि भारत में विश्वस्तरीय बुनियादी सुविधाओं को लाना है, साथ ही व्यक्तिगत स्पर्श भी बनाए रखना है।

जब आप हमारे स्पेस में प्रवेश करते हैं, तो आपको तुरंत ही अंतर महसूस होता है। यह सहायक,

समावेशी वातावरण है और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें पुनर्वास की आवश्यकता वाले लोग भी शामिल हैं। एमएमए मैट्रिक्स की सबसे बड़ी खासियत इसकी समावेशी सोच है। इसके कार्यक्रम और सुविधाएँ इस तरह से डिज़ाइन की गई हैं कि विभिन्न बैकग्राउंड और ज़रूरतों वाले लोग जुड़ सकें।

इसके प्रशिक्षक पुनर्वास-केंद्रित ट्रेनिंग में भी निपुण हैं, जिससे वे उन लोगों की मदद कर पाते हैं जो सामान्य जिम के अनुभवों से वंचित रह जाते हैं। व्यक्तिगत सहायता के साथ श्रेष्ठ-गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे को जोड़कर, एमएमए मैट्रिक्स भारत में हर किसी के लिए फिटनेस को सुलभ और सार्थक बनाने के अपने मिशन को पूरा कर रहा है। उन्होंने कहा, कई व्यावसायिक जिमों के विपरीत, हमने ऐसा माहौल बनाया है जो व्यवसाय से ज़्यादा समुदाय जैसा लगता है।

शुरू से ही हमारा लक्ष्य यही था: अपने लोगों को उच्चतम गुणवत्ता वाला फिटनेस वातावरण प्रदान करना जहाँ वे प्रेरित, समर्थित और सम्मानित महसूस करें। यह सिर्फ़ उपकरणों के बारे में नहीं है; यह एक ऐसा स्थान बनाने के बारे में है जहाँ हर कोई अपनी फिटनेस यात्रा में आगे बढ़ सके। संस्थापकों ने समझा कि बढ़िया उपकरण ही काफ़ी नहीं हैं - स्थायी फिटनेस आदतों के लिए सही भावनात्मक और मानसिक वातावरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

ऐसा नहीं है कि हम अलग हो गए हैं, फिल्म का यह सही समय है : इमरान ने 'आवारापन 2' पर कहा

मुंबई/भाषा

अभिनेता इमरान हाशमी का कहना है कि वह अपनी आने वाली फिल्म 'आवारापन 2' के जरिये मुकेश भट्ट के साथ फिर से नहीं जुड़ रहे हैं ''बल्कि हम तो अलग हुए ही नहीं हैं।''

हाशमी ने कहा कि जब आप एक साथ इतनी सारी सफल फिल्में करते हैं, तो स्थिति पेचीदा हो ही जाती है।

अभिनेता ने इस माह की शुरुआत में अपने 46वें जन्मदिन पर 2007 की फिल्म 'आवारापन' के अगले भाग की घोषणा की थी। इस फिल्म का निर्माण उनके मामा मुकेश भट्ट के बैनर 'विशेष फिल्म्स' ने किया था। उन्होंने 2003 में इस निर्माता कंपनी की फिल्म 'फुटपाथ' से अपने अभिनय की शुरुआत की थी और भट्ट परिवार के साथ उनकी

आखिरी फिल्म 2016 में 'राज: रीबूट' थी। अभिनेता ने कहा कि 'आवारापन-2' पर बिल्कुल सही समय पर काम किया जा रहा है।

हाशमी ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''मैं इसे फिर से साथ (भट्ट परिवार के साथ) आने के रूप में नहीं देखता। ऐसा नहीं है कि हम अलग हो गए हैं। हमने 14 वर्षों तक कई सफल फिल्मों में काम किया...। जब आप एक साथ इतनी सारी सफल फिल्में करते हैं, तो कई बार स्थिति पेचीदा हो ही जाती है।''

हाशमी ने कहा कि 'आवारापन' को मिले प्रशंसकों के प्यार के कारण इसका दूसरा भाग बनाने का फैसला लिया गया। उन्होंने कहा कि वह बिना किसी ठोस कहानी के, कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहते थे। उन्होंने कहा, ''इस पर काफी समय से बातचीत हो रही थी। हम सिर्फ ऐसे ही इसका अगला भाग नहीं बनाना चाहते थे। हम एक ऐसे विषय पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे जो फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने के लिए उचित हो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | बुधवार | 30-04-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

आत्मा ही कर्मों की कर्ता है आत्मा ही कर्मों का भोक्ता है । हर जीव सुख चाहता है, दुख कोई नहीं चाहता। कुछ प्राणी ऐसे होते हैं जो स्वयं का सुख चाहते हैं और दूसरों का भी सुख चाहते हैं। कुछ स्वार्थी लोग ऐसे होते हैं जो स्वयं का सुख चाहते हैं पर दूसरों को दुख देते हैं। पर जीव जैसा कर्म करता है उसे उसका फल जरूर प्राप्त होता है। कुछ ऐसे अच्छे व्यक्ति भी होते हैं जो दूसरों की भलाई चाहते हुए स्वयं के सुख का त्याग कर देते हैं और ऐसे व्यक्तियों का भला स्वतः ही हो जाता है।

वर्षीतप के तपस्वियों और दीक्षार्थी की निकली शोभायात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। ओपनकारा स्ट्रीट स्थित कोयंबतूर स्थानकवासी जैन संघ भवन से मंगलवार सुबह शोभा यात्रा में भारत के विभिन्न स्थानों से आए वर्षीतप तपस्वियों और कर्नाटक सिंधनुर के दीक्षार्थी लवेश सिंघवी और पूरे जैन समाज के श्रद्धालुओं की उपस्थित रही। शोभायात्रा ओपंकारा स्थानकभवन से शुरु हुई। शुक्रवारपेट, आरजी स्ट्रीट के सुपार्श्वनाथ मंदिर होते हुए एडयार स्ट्रीट होते हुए स्थानक भवन पहुंची। जहां धर्मसभा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा में ढोल नगाड़े के साथ श्रद्धालु महिला चुंदड़ी ओढ़नी और पुरुष राजस्थानी पोशाक और तपस्वी और दीक्षार्थी वाहनों से सवार होकर शोभायात्रा में शामिल हुए।

धर्म सभा में उपप्रवर्तक गुरुदेव श्री नरेशमुनिजी म. सा. एवं श्री शालीभद्र मुनिजी म. सा., उपप्रवर्तिनी श्री दर्शन प्रभाजी म. सा., प्रतिभा श्रीजी म.सा. के सान्निध्य में एक धर्म सभा का आयोजन किया गया।

उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने महातप वर्षीतप के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रथम तीर्थंकर दादा आदिनाथ भगवान द्वारा की गई वर्षीतप की तपस्या का पारणा उनके पौत्र राजा श्रेयांसकुमार द्वारा अक्षय तृतीया को ईक्षु रस से कराया।

इसी कारण अक्षय तृतीया का हमारे जैन धर्म में विशेष महत्व बताया गया हैं। उन्होंने उम्मीद जताई की कोयंबतूर से भी एक या दो श्रावक और श्राविका संयम जीवन को अपनाना चाहिए और कहा कि हमें भरोसा हे की कोयंबतूर के लोग दीक्षा लेकर अपना जीवन में मोक्ष प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। दोपहर को गांव सांझी का भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नौदिवसीय श्रीराम कथा की तैयारियों को लेकर बैठकों का दौर शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में शहर में पहली बार, पद्मविभूषण से सम्मानित श्री तुलसी पीठाधीश्वर जगदगुरु श्री रामभद्राचार्यजी द्वारा श्रीराम कथा का आयोजन 9 जून से पैलेस ग्राउंड के प्रिंसेज श्राइन सभागार में होने जा रहा है । यह कथा रोजाना दोपहर 3 बजे से प्रारंभ होगी। इस नौ दिवसीय श्रीराम कथा के आयोजन की तैयारियों के सिलसिले में समिति की ओर से रविवार को गोड़वाड़ भवन में बैठक का आयोजन किया गया जिसके विलंब से प्राप्त समाचार में संस्था के संस्थापक संजय शुक्ला ने बताया कि श्रीराम कथा की तैयारियाँ पूरे ज़ोर शोर से चल रही हैं। अध्यक्ष मिथिलेश तिवारी ने कहा कि श्रीराम कथा के लिए मुख्य यजमान, दो सह-यजमान, दैनिक यजमान आदि बनाने सहित विभिन्न सेवा एवं सहयोग हेतु संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पद्मविभूषण से सम्मानित जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य महाराज की श्रीराम कथा से अधिक से अधिक सनातन धर्मप्रेमियों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। बैठक में एकल श्रीहरि वनवासी फाउंडेशन बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष सुरेश मोदी तथा गोडवाड़ भवन के कुमारपाल सिसोदिया ने भी अपने विचार व्यक्त किए एवं महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। उन्होंने अपनी तरफ़ से श्रीराम कथा के लिए हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उद्योगपति सुनील बजाज ने एकदिवसीय यजमान बनने की घोषणा की। इस अवसर पर संजयसिंह, जोगिंदरसिंह, कुमार गौरव, मनोज पंडित, जटाशंकर मिश्रा, महिला मंडल से मीरा अग्रवाल, संतोष सिंघल, आकांक्षा सिन्हा, अंजू पांडेय, श्रीराम परिवार के उपाध्यक्ष सत्यदेव पांडेय, प्रदीप तिवारी, सहसचिव राजीव शुक्ला सहित अनेक अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। अंत में सचिव अजय प्रकाश पाण्डेय ने धन्यवाद दिया।

वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ अग्रवाल सभा के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अग्रवाल सभा द्वारा संचालित अन्नानगर के शांति काली स्थित श्री राम सहयोगी कलावती अग्रवाल सभा भवन के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। नवनिर्मित भवन के अतिथि यजमानों ने भगवान अग्रसेन की प्रतिमा पर साज-सज्जा कर अभिवंदन पूजन किया। इस अवसर पर अग्रवाल सभा के अध्यक्ष विजय गोयल ने कहा कि नवनिर्मित भवन का काम समय पर पूरा हो चुका है, उन्होंने भवन के निर्माण में लगे कलाकारों की मांग पूरी करते हुए रात के दिन एक कर भवन को इतना सुंदर रूप में हम सभी के सामने प्रस्तुत किया है। इस अवसर पर अग्रोहा (हरियाणा) से पधारे अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग ने भवन निर्माण में सहायता देने वाले दानदाताओं का शाल ओढाकर और माला पहनाकर सम्मानित किया। अग्रवाल सभा के प्रमुख बालगोविंद गुप्ता, उपाध्यक्ष जगदीश प्रसाद अग्रवाल, अशोक केडिया, सीताराम गोयल, मनोज गोयल समेत कई लोग कार्यक्रम में शामिल रहे।

सुंदरम फाइनेंस लिमिटेड ने जमा ब्याज दरों में संशोधन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। देश की प्रतिष्ठित गैर बैंकिंग वित्तीय व्यवसाय में कार्यरत कंपनी सुंदरम फाइनेंस लिमिटेड ने भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा संशोधित रेपो रेट के अनुरूप आगामी एक मई से प्रभावित जमा ब्याज दरों में संशोधन किया है। कंपनी ने वरिष्ठ नागरिकों द्वारा जमा की गई राशि पर संशोधित ब्याज दर एक वर्ष के लिए 7.7 प्रतिशत की है। दो एवं तीन वर्षों के लिए जमा राशि पर ब्याज की दरें 8 प्रतिशत की गई है। इसी प्रकार आम नागरिकों के लिए जमा ब्याज दरें एक वर्ष के लिए 7.20 प्रतिशत तथा दो एवं तीन वर्ष हेतु 7.50 प्रतिशत की गई है। कंपनी द्वारा यह समायोजन व्यापक आर्थिक स्थितियों तथा बाजार गतिशीलता के प्रति उसकी प्रतिक्रिया को दर्शाता है तथा वर्तमान बदलाव आर्थिक रुझानों के साथ तालमेल बिठाने की उसकी वित्तीय रणनीति का एक हिस्सा है। कंपनी ने हाल ही में डिजिटल डिपॉजिट सुविधा की शुरुआत की है जिससे आम नागरिकों को बचत करना पहले से अधिक आसान एवं सरल हो गया है। ग्राहक सहज एवं सुरक्षित प्रक्रिया के जरिए आसानी से निवेश कर सकते हैं तथा अपनी जमा राशियों का अच्छे से प्रबंधन कर सकते हैं। ऑनलाइन लेनदेन की प्रक्रिया कंपनी के पोर्टल के जरिए शुरू किया जा सकता है।

मार्क कार्नी ने लिबरल पार्टी की जीत पर विजय संबोधन में कहा : ट्रंप हमें तोड़ना चाहते हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोरंटो। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने देश के संघीय चुनाव में सोमवार को लिबरल पार्टी की जीत के बाद अपने संबोधन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप लगाते हुए कहा कि ट्रंप देश के लोगों को तोड़ना चाहते हैं।

ट्रंप की कनाडा के अमेरिका में विलय की धमकियों और व्यापार युद्ध ने लिबरल पार्टी की इस जीत में अहम भूमिका निभाई।

शुरुआती रुझानों के आधार पर अनुमान जताया गया कि लिबरल पार्टी संसद की 343 सीट में से कंजर्वेटिव पार्टी से ज्यादा सीट जीतेगी। यह अब तक स्पष्ट नहीं है कि लिबरल पार्टी को पूर्ण बहुमत मिलेगा या नहीं।

चुनावी विश्लेषकों के अनुसार, शुरुआत में कनाडा में माहौल लिबरल पार्टी के समर्थन में नहीं दिख रहा था लेकिन ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की कई बार बात की और उसके तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को कनाडा का गवर्नर संबोधित किया। उन्होंने कनाडा पर जवाबी शुल्क भी लगाए। ट्रंप के इन कदमों से कनाडा की जनता में आक्रोश बढ़ गया और राष्ट्रवाद की भावना प्रबल होने के कारण लिबरल पार्टी को जीतने में मदद मिली।

कार्नी ने ओटावा में अपने विजय संबोधन में समर्थकों को संबोधित करते हुए अमेरिका की धमकियों के आगे कनाडा की एकता पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से कनाडा और अमेरिका के बीच जारी पारस्परिक रूप से लाभकारी प्रणाली समाप्त हो गई है। उन्होंने कहा, ''हम अमेरिकी विश्वासघात के सदमे से उबर चुके हैं, लेकिन हमें उससे मिले सबक कभी नहीं भूलने चाहिए।'' कार्नी ने कहा, ''जैसा कि मैं महीनों से आगाह कर रहा हूं कि अमेरिका हमारी ज़मीन, हमारे संसाधन, हमारा पानी, हमारा देश चाहता है। उन्होंने कहा, ''ये बेकार की धमकियां नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप हमें तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं ताकि अमेरिका हम पर कब्जा कर सके। ऐसा कभी नहीं होगा ... कभी नहीं होगा। लेकिन हमें इस वास्तविकता को भी पहचानना होगा कि हमारी दुनिया मूल रूप से बदल गई है।''

विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोलिवरे ने अपनी हार स्वीकार करते हुए कनाडावासियों के लिए लड़ते रहने का संकल्प जताया।

जैन कॉन्फ्रेन्स की राष्ट्रीय समिति बैठक में शामिल हुए कर्नाटक प्रांतीय पदाधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन कॉन्फ्रेन्स कर्नाटक के प्रांतीय पदाधिकारियों ने नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय जैन कॉन्फ्रेन्स की राष्ट्रीय समिति बैठक में भाग लिया। कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ व प्रांतीय महामंत्री नेमीचन्द दलाल ने मंगलवार की बैठक में कर्नाटक प्रांत शाखा द्वारा पिछले तीन महीनों में आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी दी। विभिन्न योजनाओं के पदाधिकारियों ने अपनी प्रस्तुति दी। बैठक में प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ एवं योजनाओं के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर कर्नाटक से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेशचंद छल्लाणी, पुखराज मेहता, राष्ट्रीय मंत्री कन्हैयालाल सुराणा, जीवनप्रकाश योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल रांका, महामंत्री अशोककुमार धोका, वैयावच्च योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोककुमार रांका, महामंत्री रतनचंद सिंघी, प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश पोखरना, डिजिटलाइजेशन समिति के राजीव सांखला, राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य विशाल छल्लाणी व अन्य लोग उपस्थित थे ।

सीसीए ने पद्मश्री पुरस्कार विजेता शेफ डॉ. के दामोदरन को सम्मानित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण भारतीय शेफ़ एसोसिएशन (सीसीए) ने पद्मश्री पुरस्कार विजेता शेफ़ डॉ. दामोदरन के सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया, जहाँ उन्हें उनके भारतीय पाक कला में अद्भुत योगदान से सम्मानित किया गया। उन्हें भारत सरकार द्वारा पाक कला एवं दक्षिण भारतीय चित्रकला में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया जिसके बाद उन्हें नामांकित किया गया।

सम्मान समारोह के इस कार्यक्रम में भारतीय पाक कला अकादमी के अध्यक्ष शेफ मंजीत सिंह गिल, महासचिव शेफ शीतलम प्रसाद, बौद्ध मंडल के सदस्य प्रतिष्ठित अकादमी के कार्यकारी शेफ अधिकारी महाप्रबंधक, डीन एवं निदेशक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में दक्षिण भारतीय शेफ एसोसिएशन के पाक कला ओलंपियाड के संस्थापक संस्करण के लोगों एवं नियम पुस्तिका का अनावरण किया गया। यह कार्यक्रम सितंबर माह में आयोजित किया जाएगा।

ट्रंप ने ट्रक चालकों के लिए अंग्रेजी में दक्षता अनिवार्य की, सिख समूह ने चिंता जताई

न्यूयॉर्क / वाशिंगटन / भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में ट्रक चालकों के लिए अंग्रेजी में दक्षता हासिल करने की अनिवार्यता को लेकर एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं जिसे लेकर सिख अधिकार समूहों ने चिंता जताई है। इन समूहों ने कहा है कि इस आदेश का सिख समुदाय के ट्रक चालकों पर ''भेदभावपूर्ण प्रभाव'' पड़ सकता है और रोजगार में अनावश्यक बाधाएं पैदा हो सकती हैं। 'अमेरिका के ट्रक चालकों के लिए सड़क के सामान्य नियमों को लागू करना' शीर्षक वाले कार्यकारी आदेश में कहा गया है कि अमेरिका के ट्रक चालक देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती, इसकी सुरक्षा और अमेरिकी लोगों की आजीविका के लिए आवश्यक हैं।

सोमवार को जारी आदेश में कहा गया है कि ''अंग्रेजी में दक्षता पेशेवर चालकों के लिए सुरक्षा संबंधी अनिवार्यता होनी चाहिए। वे यातायात संकेतों को पढ़ने और समझने में सक्षम होने चाहिए, उन्हें यातायात सुरक्षा, सीमा गश्त, कृषि चौकियों और माल वजन-सीमा स्टेशन के अधिकारियों के साथ संवाद करना आना चाहिए।'' ट्रंप ने अंग्रेजी को अमेरिका की आधिकारिक राष्ट्रीय भाषा घोषित किया है। 'सिख कोलिशन' संगठन कहा कि वह ट्रंप के इस आदेश से ''काफी चिंता'' में है। उसने कहा, ''हम समझते हैं कि इस आदेश के तहत परिवहन मंत्री सीन डफी को 'अंग्रेजी में दक्षता संबंधी अनिवार्यता के अनुपालन के लिए निरीक्षण प्रक्रियाओं को मजबूत करने के मकसद से'' कदम उठाने का निर्देश दिया जाएगा।

साध्वियों व तपस्वियों के तप के अनुमोदनार्थ गाए प्रभाती चौबीसी गीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में विराजमान साध्वीश्री आगमश्रीजी के 34वें, तत्वज्ञाश्रीजी के 28वें, संपूर्णाजी के 6ठे वर्षीतप एवं अलसूर के वर्षीतप तपस्वियों के तप संपूर्ति प्रसंग पर प्रभाती चौबीसी गीत का आयोजन किया गया जिसमें अलसूर की श्राविकाओं ने चौबीस तीर्थंकरों की स्तुति की तथा तपस्या की अनुमोदना में गीत गाए। अलसूर संघ के मंत्री अभयकुमार बांठिया ने उपस्थित जनों को बताया कि अलसूर में यह पहला प्रसंग है जब एक साथ तीन साध्वियों के वर्षीतप के पारणे का अवसर आया है।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा अलसूर संघ से अनेक श्रावक श्राविकाओं ने भी भगवान आदिनाथ के तप की अनुमोदना में वर्षीतप किया। संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए तप की अनुमोदना की।

दिन्डी महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के भावसार क्षत्रिय समाज द्वारा हंपीनगर स्थित वीर आंजनैया देवस्थान में 8वें दिन्डी महोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मुणोत ने अपने वक्तव्य में कश्मीर पहलगाम आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले पर्यटकों की दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की एवं उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में पूरा देश एकजुट है। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.